संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com

ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21,अंक - 274 मंगलवार 05 अगस्त 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का निधन

झारखंड में शोक की लहर

नई दिल्ली/रांची,04अगस्त 2025 (ए)। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का सोमवार को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में निधन हो गया। वे 81 वर्ष के थे। उनके निधन की पुष्टि उनके बेटे और झारखंड के मौजूदा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने की। अपने शोक संदेश में उन्होंने लिखा, आज मैं अंदर से टूट गया हूँ। दिशोम गुरु के नाम से पहचाने जाने वाले शिबू सोरेन बीते कुछ समय से गंभीर रूप से बीमार चल रहे थे और वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे। उनके निधन की खबर से झारखंड सहित पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है।

पीएम मोदी ने अस्पताल पहुंच शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार, 4 अगस्त 2025 को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के संस्थापक शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया।

महिला सांसद ने चेन स्नैचिंग के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखा पत्र

नई दिल्ली,04अगस्त 2025(ए)। तमिलनाडु के मयिलादुथुराई से लोकसभा सांसद आर सुधा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर दिल्ली में उनके साथ हुई चेन स्नैचिंग की घटना की शिकायत की है। यह घटना सोमवार सुबह पोलैंड दूतावास के पास हुई, जिसमें सांसद को मामूली चोटें भी आईं।

15 अगस्त तक अनिवार्य है ईकेवाईसी

वरना बंद हो जाएगी सप्लाई...

नई दिल्ली,04अगस्त 2025(ए)। घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर उपभोक्ता के लिए यह खबर बेहद महत्वपूर्ण है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एलपीजी वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से ईकेवाईसी को अनिवार्य कर दिया है।

ट्रम्प टैरिफ मामले में भारत सख्त

» ट्रंप का टैरिफ दांव साबित होगा फुसकी बम?

» अमेरिका से निपटने के लिए भारत ने तैयार किया ये प्लान

नई दिल्ली,04अगस्त 2025(ए)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय सामानों पर 25 प्रतिशत का भारी टैक्स लगाया है। इससे कई व्यापारिक क्षेत्रों और नौकरियों पर बुरा असर पड़ने वाला है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता जारी रहेगा,लेकिन टैक्स कम होने की संभावना नहीं है। एनालिस्ट का मानना है कि भले ही भारत और अमेरिका के बीच व्यापार को लेकर बातचीत जारी रहेगी, लेकिन ये टैक्स शायद ही कम हों।

एक बड़े अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि भारत और अमेरिका के बीच कई बातों पर असहमति है। इसलिए किसी व्यापार समझौते पर तुरंत पहुंचना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि भारत का बाजार हमेशा से बंद रहा है। इसके अलावा, कुछ और भू-राजनीतिक मुद्दे भी हैं, जिन पर अमेरिका के राष्ट्रपति को चिंता है। जैसे कि भारत का ब्रिक्स का सदस्य होना और रूस से तेल खरीदना।

अधिकारी ने यह भी कहा कि भारत के साथ बातचीत सकारात्मक रही है, लेकिन ये मुद्दे बहुत पेचीदा हैं। इसलिए इन्हें रातोंरात नहीं सुलझाया जा सकता। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा कि ये टैक्स शायद ही कम हों। उन्होंने बताया कि कुछ टैक्स तो पहले से तय हैं। कुछ समझौते घोषित किए गए हैं, तो कुछ नहीं। कुछ टैक्स इस बात पर निर्भर करते हैं कि किसी देश के साथ व्यापार में हमें फायदा हो रहा है या नुकसान। ग्रीर ने ष्ट्क्र के फेस द नेशन कार्यक्रम में कहा कि ये टैक्स लगभग तय हैं।

भारत सरकार भी व्यापार को लेकर सख्त

भारत सरकार भी व्यापार को लेकर सख्त रवैया अपना रही है। वह अपनी कुछ खास बातों पर समझौता नहीं करना चाहती,जैसे कि खेती और डेयरी उद्योग। इसलिए ऐसा लगता है कि भारत लंबी तैयारी कर रहा है। ट्रंप के 25त्न टैक्स और रूस के साथ व्यापार करने पर जुर्माने की चेतावनी के बाद, भारत और भी सख्त हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप की टैक्स की चेतावनी का विरोध किया है। उन्होंने लोगों को भारत में बने सामान खरीदने के लिए कहा है। मोदी सरकार ने तेल कंपनियों को रूस से तेल खरीदने से नहीं रोका है।

स्वदेशी समान खरीदने पर पीएम का जोर

बहरहाल, नरेंद्र मोदी ने कहा कि दुनिया की अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल मची हुई है। उन्होंने कहा कि हमें वही चीजें खरीदनी चाहिए जो भारतीयों ने बनाई हैं। प्रधानमंत्री मोदी मेक इन इंडिया कार्यक्रम को मजबूत करने पर ध्यान दे रहे हैं। अमेरिका के टैक्स लगाने के बाद यह और भी जरूरी हो गया है। मोदी ने कहा कि हमारे किसानों, छोटे उद्योगों और युवाओं के रोजगार का ध्यान रखना सबसे जरूरी है।मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि मोदी सरकार ने तेल कंपनियों को रूस से तेल खरीदने से मना नहीं किया है। अभी तक यह भी तय नहीं हुआ है कि तेल खरीदना बंद किया जाएगा या नहीं। सरकारी और प्राइवेट तेल कंपनियों को अपनी पसंद के स्रोत से तेल खरीदने की इजाजत है।

अमेरिका के टैक्स का कितना असर?

भारत अब यह देखेगा कि अमेरिका के टैक्स का कितना असर होता है और ये कब तक चलते हैं। इंडिया रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री देवेंद्र पंत ने कहा कि जैसे ट्रंप अमेरिका के लिए फायदे और नुकसान का हिसाब लगा रहे हैं, वैसे ही हर सरकार अपना हिसाब लगाएगी। भारत को उम्मीद है कि अमेरिका के व्यापार अधिकारी इस महीने के अंत में भारत आएंगे और व्यापार समझौते पर बातचीत करेंगे। एक भारतीय अधिकारी ने बताया कि भारत अपने रुख पर कायम रहेगा और अमेरिका को अपने डेयरी और कृषि क्षेत्रों में आसानी से घुसने नहीं देगा, क्योंकि ये बातें राजनीतिक और धार्मिक रूप से बहुत संवेदनशील हैं।

अमेरिकी टैक्स से निपटने की रणनीति

भारत सरकार निर्यात करने वाले कारोबारों को बचाने की योजना बना रही है। सरकार उन्हें अपने ब्रांड बनाने और बढ़ावा देने के लिए कह रही है। एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिका के टैक्स से बचने के लिए भारतीय निर्यातकों को अपने ब्रांड बनाने और उनका प्रचार करने की जरूरत है। यह काम एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल और इंडिया ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन मिलकर कर सकते हैं।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने समुद्री खाद्य उत्पादों जैसे क्षेत्रों से पूछा है कि क्या वे कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने पर कोई योजना बना सकते हैं। क्योंकि इक्वाडोर जैसे झींगा मछली उत्पादक देशों पर सिर्फ 15त्न टैक्स लगेगा। सरकार टेक्सटाइल और केमिकल जैसे क्षेत्रों के निर्यातकों को ट्रंप के टैक्स से बचाने के लिए कुछ योजनाएं बना रही है। एक अधिकारी ने बताया कि वाणिज्य मंत्रालय ने स्टील, खाद्य प्रसंस्करण,इंजीनियरिंग, समुद्री और कृषि जैसे कई क्षेत्रों के साथ बैठकें की हैं ताकि यह पता चल सके कि उन्हें टैक्स की वजह से क्या परेशानियां हो सकती हैं।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में भूपेश बघेल और बेटे चैतन्य को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत

सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके बेटे चैतन्य बघेल को हाईकोर्ट जाने का निर्देश

नई दिल्ली04अगस्त 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके बेटे चैतन्य बघेल को सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है। शीर्ष अदालत ने सोमवार को दोनों की याचिकाओं पर सुनवाई से साफ इनकार करते हुए उन्हें अंतरिम राहत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने को कहा है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को निर्देश भी दिया है कि वह दोनों की अर्जियों पर जल्द सुनवाई करे।

भूपेश बघेल और उनके बेटे की याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कई सख्त टिप्पणियां कीं। कोर्ट ने कहा कि दोनों ने एक ही याचिका में पीएमएलए (पीएमएलए) के विभिन्न प्रावधानों को चुनौती देने के साथ-साथ जमानत जैसी व्यक्तिगत राहत की मांग भी की है, जो उचित नहीं है। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने पिता-पुत्र के सीधे सुप्रीम कोर्ट आने पर भी सवाल उठाया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि जब किसी मामले में कोई प्रभावशाली व्यक्ति शामिल होता है, तो वो सीधे सुप्रीम कोर्ट पहुंच जाता है। अगर हम ही हर मामले की सुनवाई करेंगे, तो अन्य अदालतों का क्या उपयोग रह जाएगा? अगर ऐसा होता रहा तो फिर गरीब लोग कहां जाएंगे? एक आम आदमी और साधारण वकील के पास सुप्रीम कोर्ट में पैरवी करने की कोई जगह ही नहीं बचेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि प्रावधानों की वैधता को चुनौती देने के नाम पर याचिकाकर्ता सीधे अंतिम राहत नहीं मांग सकते। कोर्ट ने कहा कि एक ही याचिका में आप सब कुछ नहीं मांग सकते। इसके लिए तय प्रक्रिया और मंच हैं। कोर्ट ने चैतन्य बघेल को जमानत याचिका के लिए हाईकोर्ट जाने को कहा और यह भी निर्देश दिया कि हाईकोर्ट इस पर जल्द सुनवाई करे। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने पीएमएलए की धारा 50 और 63 को चुनौती देने के लिए अलग से याचिका दाखिल करने की सलाह दी।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य को बड़ा झटका, फिर बढ़ी रिमांड,अब 18 अगस्त 2025 को होगी सुनवाई

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को रायपुर कोर्ट ने दोबारा 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। यह फैसला आज उनकी पहली न्यायिक हिरासत की अवधि पूरी होने पर सुनवाई के दौरान लिया गया। अब अगली सुनवाई 18 अगस्त को होगी।

अपार संपत्ति के मालिक हैं महाराज निरुद्धाचार्य

नई दिल्ली04अगस्त 2025 (ए)। आज के समय में अगर कोई आध्यात्मिक गुरु सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा छाए हुए हैं,तो वो हैं अनिरुद्धाचार्य महाराज. उनकी कथा सुनने वाले सिर्फ मंदिरों या पंडालों में ही नहीं,बल्कि मोबाइल और टीवी स्क्रीन पर भी लाखों-करोड़ों की तादाद में मौजूद हैं। अब सवाल ये उठता है कि इतने बड़े स्तर पर कार्यक्रम करने वाले अनिरुद्धाचार्य जी की कमाई कितनी है? उनकी नेट वर्थ और खर्चों का अंदाजा आखिर कैसे लगाया जाए? मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक,अनिरुद्धाचार्य जी का असली नाम अनिरुद्ध शर्मा है. उन्होंने बहुत ही कम उम्र में धर्म का रास्ता अपनाया और रामचरितमानस, श्रीमद्भागवत गीता जैसी धार्मिक ग्रंथों की कथा कहने में खुद को समर्पित कर दिया। उनकी आवाज में जो मिठास और अंदाज में जो अपनापन है, वही उन्हें बाकी कथा वाचकों से अलग बनाता है.

कुल संपत्ति लगभग 15 से 20 करोड़ रुपये

जहां तक इनकम की बात है, अनिरुद्धाचार्य जी के पास कमाई के कई स्रोत हैं। उनके धार्मिक आयोजनों के लिए लाखों की भीड़ जुटती है और आयोजनकर्ता उन्हें बुलाने के लिए मोटी दक्षिणा देते हैं। इसके अलावा उनके यूट्यूब चैनल पर करोड़ों व्यूज आते हैं,जिससे उन्हें सोशल मीडिया से भी अच्छी-खासी कमाई होती है। स्पॉन्सरशिप और डोनेशन से भी आमदनी होती है। कुछ रिपोर्ट्स की मानें तो उनकी कुल संपत्ति लगभग 15 से 20 करोड़ रुपये के बीच है। ये संपत्ति सिर्फ पैसों तक ही सीमित नहीं है। बताया जाता है कि उनके पास कुछ जमीन और आश्रम भी हैं,जहां धार्मिक गतिविधियां होती हैं. इसके साथ ही जरूरतमंदों को मदद दी जाती है।

सोशल मीडिया पर भी कायम है जलवा

लेकिन सबसे खास बात ये है कि अनिरुद्धाचार्य जी अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा समाज सेवा में लगाते हैं। उनके द्वारा चलाए जा रहे प्रकल्पों में भोजन सेवा,गौ सेवा, गरीबों की मदद और शिक्षा से जुड़ी गतिविधियां शामिल हैं। वो खुद सादा जीवन जीते हैं और भव्यता से ज़्यादा भक्ति में विश्वास रखते हैं। सोशल मीडिया पर भी उनका जलवा कम नहीं है। उनके यूट्यूब वीडियोज पर लाखों लाइक्स और शेयर आते हैं। इंस्टाग्राम, फेसबुक पर भी लोग उनके विचार और कथाएं बड़े चाव से देखते-सुनते हैं।

डिजिटल युग के धर्मगुरु हैं अनिरुद्धाचार्य

अनिरुद्धाचार्य जी की सफलता इस बात का सबूत है कि अगर भावनाओं के साथ धर्म की बात की जाए, तो वह दिलों तक पहुंचती है। आज वो न सिर्फ एक कथावाचक हैं,बल्कि एक डिजिटल युग के धर्मगुरु भी बन चुके हैं।

भाषा विवाद में सीएम ममता को मिला सीएम स्टालिन का साथ

कोलकाता,04अगस्त 2025(ए)। देश भर में कथित तौर पर बांग्ला भाषियों के उत्पीड़न का मामला तूल पकड़ रहा है। अब सीएम ममता को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन का साथ भी मिल गया। ऐसे में कथित बांग्लादेशी भाषा विवाद में स्टालिन सीएम ममता बनर्जी के साथ खड़े हुए हैं।

आज तमिलनाडु की सत्तारूढ़ डीएमके पार्टी के प्रमुख ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया। इसमें स्टालिन ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के लहजे में केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन दिल्ली पुलिस पर हमला बोला। उन्होंने कहा,आदरणीय ममता बनर्जी दीदी गैर-हिंदी भाषा पर हमले के जवाब में पश्चिम बंगाल के लोगों के लिए ढाल बनकर खड़ी हुई हैं। करुणानिधि के बेटे ने भी कहा कि ममता भाषा पर इस हमले का करारा जवाब देंगी। बता दे कि, द्रविड़ अस्मिता को हथियार बनाने वाली डीएमके लंबे समय से देश में हिंदी भाषा थोपे जाने के खिलाफ मुखर रही है। हाल ही में, स्टालिन इस बात पर मुखर रहे हैं कि केंद्र देश की नई शिक्षा नीति में गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में, इस बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल बंगाल के भाषा आंदोलन में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का सीएम ममता के साथ खड़े होने की घटना को महत्वपूर्ण मानती है। ऐसे में, कुछ लोगों का तो यह भी मानना है कि देश में भाषा आंदोलन की एक नई धुरी बन सकती है।

वैक्सीन साइंटिस्ट को उत्तराखंड हाईकोर्ट से बड़ी राहत

नैनीताल,04अगस्त 2025(ए)। उत्तराखंड हाई कोर्ट ने एक वैक्सीन वैज्ञानिक आकाश यादव को बड़ी राहत दी है,जिन्हें अपनी पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने का दोषी पाया गया था। कोर्ट ने उनकी दोषसिद्धि और पांच साल की जेल की सजा पर रोक लगा दी है। भारतीय प्रोद्यौगिकी संस्थान खड़गपुर से पीएचडी की उपाधि प्राप्त आकाश यादव को राहत देते हुए न्यायमूर्ति रविंद्र मैठाणी की एकलपीठ ने कहा कि वैज्ञानिक की दोषसिद्धि को व्यापक जनहित में स्थगित किया गया है अदालत ने पाया कि वैज्ञानिक आकाश यादव वैक्सीन के शोध और विकास में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं और सजा के कारण उनका काम रुक गया है। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि उनका शोध व्यापक रूप से समाज के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

आकाश यादव पर उनकी पत्नी की मृत्यु के बाद दहेज निषेध अधिनियम के तहत आरोप लगाया गया था। उधमसिंह नगर जिले के रुद्रपुर की एक अदालत ने उन्हें दहेज के आरोपों से बरी कर दिया, लेकिन आत्महत्या के लिए उकसाने का दोषी पाया और पांच साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

संदेशखाली हत्याकांड मामले में शाहजहां की परेशानी बढ़ी

कोलकाता,04अगस्त 2025 (ए)। कलकत्ता हाईकोर्ट की एक खंडपीठ ने आज राज्य के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में 2019 में तीन भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच पर उसी अदालत की एकल-न्यायाधीश पीठ के पहले के आदेश को बरकरार रखा। इस मामले में मुख्य आरोपियों में से एक तृणमूल कांग्रेस से निलंबित नेता शेख शाहजहां

है। वह जनवरी 2024 में अपने आवास के सामने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के कर्मियों पर हमले के मामले में भी मुख्य आरोपी हैं।

सत्येंद्र जैन को कोर्ट सी मिली क्लीन चिट

सीबीआई को नहीं मिला सबूत,कोर्ट ने बंद किया केस

नई दिल्ली,04अगस्त 2025(ए)। दिल्ली के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता सत्येंद्र जैन को बड़ी राहत मिली है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई द्वारा दर्ज एक मामले में जैन और लोक निर्माण विभाग के कुछ अधिकारियों के खिलाफ क्लोजर

रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया है। कोर्ट ने माना कि जांच में उनके खिलाफ कोई पुख्ता सबूत नहीं मिले हैं। यह मामला सीबीआई में नियुक्तियों में कथित अनियमितताओं से जुड़ा था।

कोर्ट की टिप्पणी के अनुसार,केवल संदेह के आधार पर किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। अदालत ने कहा कि मामले में आपराधिक साजिश या भ्रष्टाचार का कोई संकेत नहीं मिला और उपलब्ध सामग्री आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पर्याप्त नहीं है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी पर आरोप लगाने के लिए ठोस और भरोसेमंद सबूत होने चाहिए,महज शक से किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

संपादकीय

मुक्त व्यापार का असली फायदा भारत को

भारत और ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को जबरदस्त बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। लेकिन लगता है कि असली फायदा भारत को मिलने वाला है।भारत से 99 प्रतिशत निर्यात पर शुल्क श्रेणियां खत्म होंगी। दोनों देशों में व्यापार 34 अरब डॉलर तक बढ़ने की उम्मीद है। दोनों देशों के बीच तीन साल की बातचीत के बाद इस व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया गया है। समझौते पर हस्ताक्षर हो चुके हैं बस ब्रिटेन की संसद को इसे मंजूरी की औपचारिकता बाकी है। अब भारतीय वस्तुओं के लिए सभी क्षेत्रों में व्यापक बाजार पहुंच सुनिश्चित होने की उम्मीद है। व्यापार समझौते के बाद भारतीय वस्त्र, जूते, रत्न एवं आभूषण, समुद्री खाद्य और इंजीनियरिंग वस्तुओं को ब्रिटेन में बेहतर बाजार मिलेगा और कृषि उत्पादों एवं प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग को वृद्धि के नये अवसर मिलेंगे। समझौता भारत के युवाओं, किसानों,मछुआरों और सूक्ष्म,एमएसएमई क्षेत्र के लिए वरदान समान साबित होगा। ब्रिटेन में बने चिकित्सा और वैमानिकी उपकरण जैसे उत्पाद भारतीयों एवं उद्योगों तक किफायती कीमत पर पहुंच सकेंगे। दोनों देश एफटीए के साथ दोहरे अंशदान समझौते' (डीसीसी) पर भी आम सहमति के करीब हैं। इससे दोनों के सेवा क्षेत्र, खासकर प्रौद्योगिकी और वित्त, में नई ऊर्जा का संचार होगा। ब्रिटेन का भी भारतीय बाजार में अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त मिलेगी। ब्रिटेन पहले से ही भारत से 11 अरब पाउंड का सामान आयात करता है लेकिन भारतीय वस्तुओं पर शुल्क कम होने से ब्रिटिश उपभोक्ताओं के लिए भारतीय उत्पादों की खरीद अधिक आसान हो जाएगी। इससे ब्रिटेन को होने वाला निर्यात बढ़ेगा।दीर्घावधि में ब्रिटेन की जीडीपी में सालाना 4.8 अरब पाउंड की बढ़ोतरी होगी जिसका फायदा ब्रिटेन के हर क्षेत्र को होगा। ईयू छोड़ने (ब्रेक्जिट) के बाद ब्रिटेन के लिए यह सबसे महत्त्वपूर्ण द्विपक्षीय व्यापार समझौता है। भारत के लिए भी यह अब तक का सबसे व्यापक समझौता है। ब्रिटेन और भारत के बीच निर्यात एवं आयात करने के लिए बहुत से दस्तावेज की जरूरत भी कम हो जाएगी और प्रक्रिया बहुत सरल हो जाएगी। विश्व की पांचवीं और छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच हुआ यह समझौता ब्रेक्जिट के बाद ब्रिटेन को मुश्किल से निकालेगा तो भारत को भी दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

नौकरी लगते ही पतियों को छोड़ रही हैं आधुनिक औरतें

» रिश्तों की हत्या का आधुनिक ट्रेंड

» रोज़गार मिला,रिश्ते छूटे,जिसने पढ़ाया, वही पराया हो गया

विवाह अब त्याग और समर्पण की बजाय स्वार्थ और स्वतंत्रता की शरण में चला गया है। अनेक मामले

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

सामने आ रहे हैं जहाँ पति ने पत्नी को पढ़ाया, नौकरी लगवाई, पर जैसे ही वह आत्मनिर्भर हुई, पति को ठुकरा दिया। यह आधुनिक सोच रिश्तों को तोड़ रही है। शिक्षा और कानून महिलाओं को अधिकार तो दे रहे हैं, पर जिम्मेदारी से दूर कर रहे हैं। सशक्तिकरण तब तक अधूरा है जब तक वह रिश्तों का सम्मान न सिखाए। समाज को अब ऐसे स्वार्थी दृष्टिकोण के विरुद्ध आवाज़ उठानी चाहिए जो परिवार को तोड़ने का कारण बन रहा है।

एक समय था जब पति-पत्नी का रिश्ता त्याग,प्रेम और परस्पर समर्पण का प्रतीक होता था। विवाह सिर्फ सामाजिक अनुबंध नहीं, एक गहरी भावनात्मक और आध्यात्मिक यात्रा मानी जाती थी। लेकिन आज की आधुनिकता,शिक्षा और तथाकथित अधिकार चेतना ने इस पवित्र रिश्ते को भी स्वार्थ की भट्ठी में झोंक दिया है। आज देश में तेजी से बढ़ते ऐसे मामलों पर चिंता ज़ाहिर हो रही है जहाँ एक पति सालों मेहनत करके, मजदूरी करके अपनी पत्नी को पढ़ाता है, उसके सपनों को पंख देता है, और जैसे ही उसकी सरकारी नौकरी लगती है – वह उसी पति से कहती है आप कौन जी? यह सवाल अकेले एक पुरुष से नहीं पूछा जा रहा, यह सवाल उस समूचे त्याग से पूछा जा रहा है,जो एक रिश्ते को निभाने में लगाया गया था। यह सवाल उस व्यवस्था पर भी है, जिसने शिक्षा को अधिकार तो दिया, मगर ज़िम्मेदारी नहीं सिखाई। यह सवाल कानून से भी है, जिसने स्त्री को संरक्षण तो दिया,पर रिश्तों को निभाने की नैतिकता सिखाने का प्रयास नहीं किया।

आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ एक और विचारधारा ने समाज में गहराई से जड़ें जमा ली हैं–खुद को पहले रखो,रिश्ते बोझ हैं,स्वतंत्रता का अर्थ है किसी भी बंधन से मुक्त होना। यह सोच,विशेषकर महिलाओं को यह सिखा रही है कि विवाह,पति, परिवार केवल एक सामाजिक औपचारिकता हैं,जिन्हें जरूरत पड़ने पर त्यागा जा सकता है। और जब शिक्षा, कानून और समाज का एक वर्ग इस सोच को बढ़ावा देता है, तो परिणाम होता है–घर टूटते हैं, विश्वास बिखरता है और पुरुषों का त्याग मज़ाक बन जाता है।

एक गरीब पति जिसने ईंटें ढोकर, दिहाड़ी लगाकर अपनी पत्नी को पढ़ाया,उसका फॉर्म भरा,उसकी फीस दी,परीक्षा केंद्र तक छोड़ा, उसके चयन के बाद मिठाई बांटी– वही पति जब दरवाज़े पर खड़ा होता है तो पत्नी कहती है–अब आपकी कोई ज़रूरत नहीं रही। यह वाक्य सिर्फ शब्द नहीं,यह उस संघर्ष की मौत है जिसमें रिश्ते सांस लेते थे। यह आधुनिकता का वह चेहरा है, जो चमकता तो है,पर भीतर से खोखला है। बिना किसी कारण, बिना किसी उत्पीड़न के यदि कोई पत्नी केवल नौकरी लगने के बाद पति को अस्वीकार कर दे,तो यह न सशक्तिकरण है,न स्वतंत्रता–यह एक सामाजिक अपराध है। यह उन मूल्यों की हत्या है जो भारतीय समाज की नींव हैं। यहाँ यह स्पष्ट करना ज़रूरी है कि हम उन स्त्रियों की बात नहीं कर रहे जो वाकई उत्पीड़न झेलती हैं,शोषित होती हैं या जिन्हें बचाव की आवश्यकता है। बात उन मामलों की हो रही है जहाँ कानून और अधिकारों का दुरुपयोग करके एक पत्नी अपने पति को केवल इसलिए छोड़ देती है क्योंकि अब वह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो गई है।

कानून ने महिलाओं को जो संरक्षण दिया है, वह आवश्यक है और होना भी चाहिए,लेकिन वह संरक्षण तभी तक पवित्र है जब तक उसका उपयोग हो,दुरुपयोग नहीं। आज समाज में ऐसी घटनाओं की संख्या बढ़ रही है जहाँ महिलाओं ने झूठे आरोप लगाकर न केवल अपने पतियों को,बल्कि उनके परिवारों को भी जेल भिजवा दिया,मानसिक रूप से प्रताड़ित किया और आर्थिक रूप से तबाह कर दिया। क्या यही है नवीन भारत का पारिवारिक चेहरा? जब एक लड़की कहती है, अब मैं कमाती हूं,मुझे किसी की जरूरत नहीं, तो यह स्वतंत्रता नहीं, आत्ममुग्धता है। क्या आत्मनिर्भरता का अर्थ यह है कि रिश्तों को छोड़ दिया जाए? क्या नौकरी लगते ही प्रेम और त्याग की कीमत शून्य हो जाती है? क्यों नहीं यह समझाया जाता कि सशक्त स्त्री वह है जो अपनी उड़ान में भी अपने घोंसले को संजोकर रखे, न कि उड़ते ही उसे जला दे? शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी पाना नहीं, बल्कि सोच में परिपक्वता लाना है। दुर्भाग्यवश आज की पढ़ाई ने यह परिपक्वता नहीं दी,बल्कि कई मामलों में आत्मकेंद्रित सोच को जन्म दिया है। आत्मनिर्भरता अगर स्वार्थ में बदल जाए,तो वह समाज के लिए एक खतरा बन जाती है। पढ़ाई के बाद यदि स्त्री अपने रिश्तों से पलायन करती है, तो यह प्रश्नचिन्ह है उस शिक्षा पर, उस सोच पर, और उस कानून पर जो उसे यह करने की छूट देते हैं।

कई बार जब पत्नी पति को छोड़ती है, तब समाज चुप रहता है। महिलाएं इसे अपना अधिकार मानती हैं,और पुरुषों के पास बोलने तक की जगह नहीं होती। अगर कोई पति यह कह दे कि मैंने उसे पढ़ाया, बढ़ाया, उसका करियर बनाया,तो उसे कहा जाता है कि उसने तुम्हारे ऊपर कोई एहसान नहीं किया, वह अब स्वतंत्र है। लेकिन जब कोई स्त्री अपने पति के बलिदान से आगे बढ़ती है, तो क्या उस त्याग की कोई कीमत नहीं होती? क्या उसकी कोई भावनात्मक मान्यता नहीं?

यह मानसिकता अब अदालतों तक पहुँच चुकी है। न्यायालयों में ऐसे हजारों केस लंबित हैं जहाँ पुरुष अपने वैवाहिक अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं, अपने बच्चों से मिलने के लिए तरस रहे हैं, और वर्षों तक एक ऐसे रिश्ते का बोझ ढो रहे हैं जो केवल कागज पर बचा है। वे न तलाक ले सकते हैं,न नया जीवन शुरू कर सकते हैं,और न ही समाज उनकी पीड़ा समझता है।

कई मामलों में तो पढ़ी-लिखी स्त्रियाँ बाहर से प्रेम संबंध जोड़ लेती हैं, पति से दूरी बना लेती हैं, और फिर कानूनी सुरक्षा के पीछे छिप जाती हैं। जब ऐसे मामलों पर कोई प्रश्न उठाता है,तो उसे महिला विरोधी, संकीर्ण सोच वाला या पितृसत्तात्मक कहा जाता है। लेकिन क्या एक समाज को इतना भी अधिकार नहीं कि वह रिश्तों की रक्षा करने वाले पुरुष की आवाज़ को सुने?

यदि यही मानसिकता चलती रही, तो आने वाले वर्षों में विवाह संस्था ही खोखली हो जाएगी। पुरुष विवाह से डरेंगे,परिवार टूटेंगे,और समाज में अविश्वास की दीवारें खड़ी होंगी। स्त्रियों को यह समझना होगा कि वे केवल नौकरी पाने के लिए नहीं,बल्कि रिश्तों को निभाने के लिए भी उत्तरदायी हैं। जब कोई पति आपकी फीस भरता है, कोचिंग लगवाता है,हौसला देता है,तब वह केवल पति नहीं, एक मार्गदर्शक, एक सहायक,एक संरक्षक बनता है। और जब आप सफलता पाकर उसे छोड़ देती हैं, तो आप सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, बल्कि विश्वास को ठुकरा देती हैं।

यह समाज अब और अधिक झूठे केस,दिखावटी आज़ादी और स्वार्थ की आड़ में तोड़े गए रिश्ते नहीं झेल सकता। अब वक्त आ गया है कि शिक्षा में नैतिक मूल्य जोड़ें,कानूनों में संतुलन लाएं, और समाज में यह संदेश दें कि सशक्तिकरण का अर्थ जिम्मेदारी से भागना नहीं,बल्कि उसे ईमानदारी से निभाना है।

रिश्तों में अधिकार जितने ज़रूरी हैं,उतने ही ज़रूरी हैं कर्तव्य। सच्चा सशक्तिकरण वही है जो रिश्तों को तोड़े नहीं,उन्हें और मजबूत करे। क्योंकि अगर नौकरी लगते ही कोई पत्नी अपने पति को कहे – आप कौन?–तो यह केवल पति की नहीं,पूरे समाज की हार है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

गालिब बहुत गहराई में मत जा...

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक-124001(हरियाणा)

उर्दू का मशहूर शायर,गालिब आगरा का रहने वाला था! बाद में वह मुगल सल्तनत के आखिरी ताजदार बादशाह, बहादुर शाह जफर के दरबार की रौनक बढ़ाया करता था। गालिब को आम खाने तथा शराब पीने का बहुत शौक था। गालिब की लिखी हुई बहुत सारी गजलें हिंदुस्तान में ही नहीं बल्कि दुनिया के बहुत सारे देशों में शौक से पढ़ी जाती हैं। यूं तो गालिब बहुत समझदार इंसान था। लेकिन कभी उसने किसी संदर्भ में कहा था...ग़ालिब बहुत गहराई में मत जा, नहीं तो साले डूब जाएगा...कितनी समझदारी की बात कह गया यह इंसान! यहां बात सिर्फ हमारे द्वारा किसी नदी या तालाब पार करते समय गहराई से बचने तक सीमित नहीं है! इसका संबंध हमारे जीवन के दर्शनशास्त्र से भी जुड़ा हुआ है! हमारा जीवन हंसने, खेलने, आपसी संबंध सामान्य रखने तथा मौज मस्ती से गुजारने के लिए है। अगर हम हर बात गंभीरता या गहराई से सोचने लग जाएंगे तो हमारा तो दिमाग ही खराब हो जाएगा। हमारे जीवन में बहुत सारी बातें होती हैं। किस-किस बात के ऊपर आदमी गहराई से तथा गंभीरता से विचार करें। अगर हम किसी आदमी को शराब के ठेके पर ₹500 का नोट खुले करवाने के लिए जाते हुए देखते हैं और यह सोचते हैं कि यह आदमी तो शराब खरीदने के लिए गया है अर्थात यह शराबी है और वैसे अपने दैनिक जीवन में अपने आप को सीधा-साधा और शरीफ दिखाने का ढोंग करता है। इससे बच कर रहना चाहिए,इसका स्वास्थ्य शराब पीने से खराब हो जाएगा, ज्यादा शराब पीने के कारण यह मर जाएगा, इसका घर उजड़ जाएगा,इसके बच्चे लावारिस होकर आवारा बन जाएंगे और अपराध की दुनिया में चले जाएंगे आदि आदि...अगर हम यह सारी बातें सोचते रहे तो हमारा तो दिमाग ही खराब हो जाएगा! इन सब बातों को बहुत ही हल्के से लेते हुए गालिब ने तभी तो कहा था...गालिब! बहुत गहराई में मत जा,नहीं तो साले डूब जाएगा...! इसी तरह अगर कोई हमारा मित्र प्यारा किसी कारणवश हमसे बहुत देर तक बातचीत नहीं कर पाता और ना ही मोबाइल पर संपर्क हो पाता है तो इससे और हमारे मन में उथल-पुथल मच जाए और हम उलूल जलूल बातें सोचने लग जाएं, हमारे मन में क्रोध,निराशा या उसकी हमारे प्रति अनदेखी को बुरे बुरे विचारों की दृष्टि से देखने लगे,उसके लिए किए गए अनेक प्रकार के उपयोगी कामों को ध्यान में रखकर नाराजगी महसूस करने लगे तो यह हमारी तरफ से अनावश्यक अति होगी। हो सकता है कि वह किसी मुसीबत में फंसा हुआ हो या उसकी कोई और मजबूरी हो, वह खुद बीमार हो या उसके घर में कोई और गंभीर रूप से बीमार हो और वह हमें संपर्क ना कर सकता हो तो हमें वास्तविक स्थिति जाने बिना उसके खिलाफ निष्कर्ष नहीं निकाल लेना चाहिए। ऐसी स्थिति में कोई गलत निष्कर्ष निकाले बिना हमें उससे संपर्क स्थापित करना चाहिए और अगर वह किसी मुसीबत में है तो उसकी सहायता करनी चाहिए और अगर उसके घर में सब कुछ कुशल मंगल है तो उसको अपनी शुभकामनाएं देनी चाहिए तभी ही तो गालिब ने कहा था...ग़ालिब बहुत गहराई में मत जा, नहीं तो साले डूब जाएगा... ।

हमारे में से कई लोग सारी उम्र कोई काम करने के बारे में कोई निर्णय ही नहीं ले पाते। सारी उम्र घर वालों की छाती पर मूंग दलते रहते हैं। सारी उम्र कोई काम इसलिए नहीं कर पाते.. नौकरी मिलती नहीं क्योंकि बहुत पढ़े लिखे नहीं हैं और अगर मिलती है तो कोई सिफारिश नहीं या फिर देने के लिए रिश्वत नहीं या फिर सोचते हैं कि अगर नौकरी के लिए किसी को रिश्वत दी,नौकरी भी नहीं मिली और रिश्वत के पैसे भी वापिस नहीं मिले।तो क्या होगा। अगर कोई काम धंधा शुरू करने के बारे में सोचते हैं तो उसके लिए ना आवश्यक पूंजी है और ना ही आवश्यक अनुभव और काम धंधे में घाटा होने का डर उन्हें काम धंधा शुरू करने से हतोत्साहित करता है। इसी तरह वह और कामों के बारे में भी सोचते रहते हैं लेकिन कभी कोई काम शुरू नहीं कर पाते। इसी तरह जिंदगी का बहुमूल्य सुनहरी समय बीत जाता है जबकि वह कोई काम शुरू कर सकते थे! क्योंकि हर काम को शुरू करने से पहले वह हानिकारक प्रभावों के बारे में सोचते थे इसलिए कुछ नहीं कर सके! तभी तो गालिब ने कहा था...ग़ालिब बहुत गहराई में मत जा, नहीं तो साले डूब जाएगा!

अगर जिंदगी हंसते,खेलते,मौज मस्ती तथा बेफिक्री से जीना चाहते हो तो अपने काम से काम रखो,तांकझांक की गलत आदत छोड़ो,दूसरों के मामले के बारे में जानना और उन में टांग अड़ाना बंद करो,हर जगह हर मामले में चौधरी बनने की आदत छोड़ो। किसी को किसी मामले में सलाह मत दो। सबने अपने हिसाब से निर्णय लेना तथा काम करना होता है। अगर दूसरा आदमी आपकी सलाह के मुताबिक चले और समस्या हल हो जाए, वह आपको श्रेय देने के बदले में अपनी समझदारी और सूझबूझ को ही इसका कारण मानेगा और अगर आपकी सलाह पर चलने से उसका काम बिगड़ जाता है तो आपको बुरा भला कहेगा, दूसरों के सामने आपकी बदनामी करेगा! बाहर की तो बात छोड़ो,आजकल तो आप अपने घर के बच्चों के मामले में भी हस्तक्षेप नहीं कर सकते,आपका काम केवल उनके प्रति अपनी जिम्मेदारी पूरी करने तक ही सीमित है! उसके कर्मों का फल वही भोगेगा। आजकल के बच्चे अपने बाप के भी बाप हैं। उनको उनके हाल पर छोड़ दो। तभी ही तो मैं बार-बार यही बात कहता हूं...गालिब! बहुत गहराई में मत जा,नहीं तो साले डूब जाएगा...!

पहले जमाने में अगर सड़क पर दो आदमी गुत्थमगुत्था होकर लड़ रहे होते थे तो लोग बीच-बचाव करके उन्हें छुड़वाकर मामला शांत कर देते थे लेकिन आजकल आपस में लड़ने वाले फाईट टू द फिनिश अर्थात दूसरे को छोड़ूंगा नहीं...इस हिसाब से लड़ते हैंद्य लड़ने वाले लोगों को कोई छुड़वाता नहीं बल्कि उनके चारों तरफ भीड़ बनाकर उनका तमाशा देखते हैं। एक बार दो आदमी आपस में खतरनाक तरीके से झगड़ रहे थे। एक आदमी दूसरे को कह रहा था.... मैं तुम्हारे 36 दांत तोड़ दूंगा...जब एक आदमी ने उन्हें छुड़वाने की कोशिश करते हुए उसे कहा...दांत तो 32 होते हैं आप इसके 36 दांत कैसे तोड़ोगे...इस पर पहले आदमी ने कहा...मुझे पता था कि तुम हमारी लड़ाई के बीच में आओगे इसलिए चार दांत तुम्हारे भी तोड़ दूंगा...और लो पंगा किसी के झगड़े में बीच बचाव करने का! आप किसी विवाह शादी में जाओ! बारातियों में से कुछ लोग खाना खा रहे होते हैं और कुछ लोग शराब भी पी रहे होते हैं। अगर आप किसी शराबी को शराब पीने के नुकसान बताने की कोशिश करोगे,वो झगड़ पड़ेगा और हो सकता है कि वह यह भी कह दे कि...तेरी अपनी तो कोई औकात नही...तुम कौन होते हो हमें उपदेश देने वाले! बड़े धर्मात्मा बने फिरते हो! मैंने यह उदाहरण सिर्फ और सिर्फ इसलिए दिया है ताकि आप किसी के मामले की गहराई तक मत जाओ और फिजूल की माथापच्ची मत करो। मामला उलटा भी पड़ सकता है। आप कहीं जा रहे हो,दंगा झगड़ा फसाद हो रहा है,देखो सुनो और आगे चलो। बारात में जाना है,खाओ पियो,मौज उड़ाओ,किसी को कुछ मत कहो। अगर मेरी इन बातों पर अमल करोगे तो सुखी रहोगे, इज्जत बनी रहेगी, चैन की बांसुरी बजाओगे। इसी किस्म की बातों को ध्यान में रखकर गालिब ने कहा है...गालिब बहुत गहराई में मत जा नहीं तो साले डूब जाएगा! भाई! हम क्यों डूबें?

तेजी से बढ़ रही है शिक्षित घरेलू सहायिकाओं की मांग

विजय गर्ग
चांद मलोट
पंजाब

दोहरी आय वाले परिवारों की बढ़ती संख्या और दैनिक काम के लिए बाहरी सहायता पर बढ़ती निर्भरता के कारण शिक्षित घरेलू सहायक-सहायिकाओं (मेड) की मांग कई गुना बढ़ गई है। भर्ती मंच वर्कइंडिया की रपट में यह जानकारी दी गई।

भर्ती मंच के मुताबिक,विभिन्न शिक्षा स्तर वाले घरेलू सहायकों की भूमिकाओं में 2024 में सालाना आधार पर तेज वृद्धि हुई। इस दौरान 10वीं कक्षा से कम शिक्षा प्राप्त लोगों की मांग में 112 फीसद की वृद्धि हुई। स्नातकों के लिए मांग में 102 फीसद,10वीं पास के लिए 94 फीसद और 12 वीं पास उम्मीदवारों के लिए असाधारण रूप से 255 फीसद की वृद्धि हुई। रपट में कहा गया कि 12वीं पास और स्नातक मेड की संख्या में तेज वृद्धि दर्शाती है कि नियोक्ता बच्चों की देखभाल,बुजुर्गों की देखभाल या घरेलू कामकाज संभालने जैसी भूमिकाओं के लिए अधिक शिक्षित व्यक्तियों की तलाश कर रहे हैं। रपट के मुताबिक,पढ़ी-लिखी सहायिका होने से घरेलू कामकाज में भी काफी आसानी होती है। खासतौर से उन घरों में जहां बच्चे होते हैं। पढ़ी-लिखी सहायिका होने पर घरेलू कामकाज के अलावा बच्चों पर भी ध्यान देने में आसानी होती है। खासतौर से बच्चों के गृह कार्य से संबंधित कामकाज में आने वाली दिक्कतें काफी हद तक दूर होती हैं। इसके अलावा छोटी-मोटी व्यावहारिक परेशानियों से निजात मिलती है। वर्कइंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और सह-संस्थापक नीलेश डूंगरवाल ने बताया कि भारत का घरेलू रोजगार बाजार एक महत्त्वपूर्ण बदलाव के दौर से गुजर रहा है। अनुभवी कर्मचारियों की बढ़ती मांग और आवेदनों में तेजी, एक विकसित होते घरेलू रोजगार पारिस्थितिकी तंत्र और नौकरी चाहने वालों के सामने आने वाली आर्थिक जरूरत, दोनों को दर्शाती है। रपट कहती है कि इससे घरेलू कामगारों के कौशल विकास का अवसर भी पैदा होता है, क्योंकि पेशेवर रूप से प्रशिक्षित और शिक्षित मेड की मांग सभी योग्यता स्तरों पर बढ़ती जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि कानून बनाने पर विचार करें- सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू कामगारों के अधिकारों की रक्षा के लिए कोई अखिल भारतीय कानून नहीं होने पर चिंता जताते हुए केंद्र सरकार को घरेलू कामगारों के अधिकारों की रक्षा के लिए कानून बनाने पर विचार करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा, घरेलू कामगार एक आवश्यक कार्यबल हैं,बावजूद इसके उनके अधिकारों की रक्षा के लिए कोई अखिल भारतीय कानून नहीं है। इसलिए वे नियोक्ताओं और एजेंसियों के शोषण का शिकार होते हैं। पीठ ने श्रम एवं रोजगार मंत्रालय व संबंधित मंत्रालयों को घरेलू कामगारों पर ऐसे कानून की व्यवहार्यता पर विचार के लिए विशेषज्ञ समिति बनाने का निर्देश दिया। इस पर छह सप्ताह के भीतर रिपोर्ट पेश करनी होगी। पीठ ने कहा, समिति की रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद केंद्र सरकार को घरेलू कामगारों की गरिमा और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए कानून लाने के लिए प्रयास करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने एक महिला घरेलू कामगार को गलत तरीके से बंधक बनाने और तस्करी के आरोपों से संबंधित एक आपराधिक अपील का निपटारा करते हुए ये बातें कही। पीठ ने कहा कि घरेलू कामगारों के शोषण का सीधा कारण कानून नहीं होना है। भारत में घरेलू कामगार काफी हद तक असुरक्षित हैं और उन्हें कोई व्यापक कानूनी मान्यता नहीं है। यही वजह है कि उन्हें कम वेतन,असुरक्षित वातावरण में काम करना पड़ता है।

सावन अउ बरशा के मया

लक्ष्मीनारायण सेन
खुटेरी गरियाबंद (छ.ग.)

धनहापुर नाम के एकठन कस्बा रहय।जिंहा सावन नाम के एक झन अड़बड़ अलबेला छोकरा रहय, अउ बरशा नाम के नटखट छोकरी रहय।ये दूनो झन के भेंट बरसाती भाई नाम के एकठन होटल मा होते।भेंट मुलाकात के बाद दूनो झिने अजनबी चाय पीयत रहय तब धोखा से बरशा के चाय हा सावन के ऊपर मा गिर जते।बरशा हा कहिते माफी देबे, धोखा से गिलास हा गिरगे। थोथना ला निहारे सावन हा मुस्कुरा के कहिते, कोनो बात नइ होवै,अउ तोर ये चाय के चिनहा सबर दिन मोला सुरता रही।चाय वाला दिन के बाद दूनो झिन एक दूसरा ला निहारना चालू कर देते।कभू बिहाने घुमइ, कभू पुस्तकालय मा पढ़े ता कभू हाट बजार के बहाना एक दूसरा ला निहारत रहय। धीरे-धीरे दूनो मा एक दूसरे बर मया हो जते।

सावन अउ बरशा दूनो झिन मया के समुदर मा सुग्घर ढंग ले तौंरत रहय,इही बेरा मा एक दिन सावन के जिनगी मा पहाड़ टूट जते। सावन हा बीमार पर जते। सावन अउ बरशा के मिलना जुलना चालू रहय। एक दिन सावन हा बड़का अस्पताल मा जाके जांच करवाते ता पता चलते की सावन के पेट मा कैंसर हे। जांच के रिपोट ला देख के डाक्टर हा कहिते सावन तोर कैंसर हा तो आखिरी स्टेज मा पहुंच गे हे। तोर इलाज बहुत मुश्किल हे। डाक्टर के बात ला सुन सावन हा कलेचुप रहिते।

अब सावन हा अपन बीमारी ला जाने के अपन बरशा ले दुरियाए ला लागते। सावन के व्यवहार ला देख के बरशा हा समझ जते की कुछ तो बात हे, तेमा मोर संग मा निरमोही कस तंय हा व्यवहार करत हस।बरशा हा सावन ला अड़बड़ पूछे के कोशिश करते फेर सावन हा अपन बीमारी ला बताबे नइ करे।

सावन हा एक दिन बरशा ला बिना बताए धनहापुर शहर ला छोड़ देते।अपन गांव मा रहत रहत सावन हा बरशा के नाम एकठन चिट्ठी लिखते की,अब मोर दुनिया ले अब जाए के दिन आगे मोला कैंसर हे बरशा। तोला मंय हा अपन मया के आखिरी संदेश देवत हो। बरशा मै तोला बहुत मया करतो, अउ मोर आखिरी इच्छा एकेठन रिहीश की मंय हा तोला हमेशा खुश देखना चाहतो। मंय हा तोर आंखी मा कभू आंसू नइ देख सको, तेकर सेति मंय हा तोला बिना बताए गांव आगेव।अउ जब तक मोर तन मा सांस चलहि तब तक मोर हर धड़कन तोरेच नाम के रही।बरशा हा चिट्ठी ला पढ़के अपन दिल मा चिट्ठी ला रखके कहिते सावन मंय तोर निश्छल मया ला जिनगी भर नइ भुलव। तोर मया हा मोर बर गंगा के पानी ले घलो बड़के पवित्र हे कहिके बरशा हा रोए ला लागते। बरशा हा कहिते सावन अउ बरशा के निश्छल मया हा जुग जुग मा अमर रही। सावन के बिना बरशा अउ बरशा के बिना सावन के मया कभू पूरा नइ होवै।

कविता

कविता अन्नदाता...

घटती-घटना

अशोक पटेल आशु
तुस्मा शिवरीनारायण छत्तीसगढ़

जब खेतों में हरी-भरी
फसलें लहलहाती है
देख कृषक के मन में,
खुशियाँ आ जाती है।
अपने श्रम को वह,
सार्थक समझ जाता है
जब पसीनों की बूंदें
बालियों में लहराती है।
कड़ी मेहनत जीवन भर हरदम
ही करता है
अन्न उगाता है,
तभी अन्नदाता कहलाता है।
ठंडी,गर्मी,बारिश की मार
हरदम झेलता है
अन्नधान से परिपूर्ण वह
खुश हो जाता है।
मिट्टी ही सब कुछ है,
उसकी पूजा करता है
तन-मन को सर्वस्व इसमें
समर्पित करता है।
दिवसावसान तक जब
वह हल चलाता है
तब खेतों के श्रम का,
उचित फल पाता है।
फल की लालसा में,
पसीना खूब बहाता है
इसी पसीने की बूंदों से
सोना उगा जाता है।
जगत का भला वह,
अपना पोषण करता है
अन्न से इस जगत का,
कल्याण हो जाता है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम में लखनपुर ब्लॉक को मिला रजत पदक

जिले के लखनपुर विकासखंड की टीम को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए किया गया सम्मानित

-संवाददाता-
अंबिकापुर,04 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

भारत सरकार के नीति आयोग द्वारा संचालित आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के अंतर्गत रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय सम्पूर्णता सम्मान समारोह में सरगुजा जिले के आकांक्षी ब्लॉक लखनपुर को रजत पदक (सिल्वर मेडल) से पुरस्कृत किया गया।

इस सम्मान समारोह में सरगुजा जिला कलेक्टर श्री विलास भोसकर के प्रतिनिधि के रूप में लखनपुर जनपद की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. स्वेच्छा सिंह ने प्राप्त किया। लखनपुर विकासखंड की टीम द्वारा विभिन्न विभागों में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जिले की आकांक्षी विकासखंड टीम के जमीनी कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले कर्मियों में शामिल स्वास्थ्य विभाग से ANM श्रीमती धनेश्वरी मानिकपुरी,स्वास्थ्य विभाग से BPM साधना लकड़ा,महिला एवं बाल विकास विभाग से ICDS सुपरवाइजर श्रीमती रत्ना सरकार,कृषि विभाग से REO श्रीमती प्रेमा बेक,NRLM विभाग से एरिया कोऑर्डिनेटर श्रीमती रूही परवीन कार्यक्रम में ABF श्रीमती शुभिता शुक्ला भी उपस्थित रहीं। गौरतलब है कि वर्ष 2024 में जुलाई से सितम्बर तक आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के अंतर्गत सम्पूर्णता अभियान संचालित किया गया था,जिसमें छह विभागीय सूचकों को शत-प्रतिशत प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया था।

लखनपुर विकासखंड ने इनमें से पाँच सूचकों में शत-प्रतिशत उपलब्धि दर्ज करते हुए राज्य स्तर पर रजत पुरस्कार प्राप्त किया। यह पुरस्कार लखनपुर विकासखंड की टीम भावना, योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और जमीनी स्तर पर उत्कृष्ट कार्य का परिणाम है, जिससे न केवल लखनपुर,बल्कि समूचे सरगुजा जिले का नाम गौरवान्वित हुआ है। कलेक्टर श्री भोसकर ने आकांक्षी विकासखंड लखनपुर को मिले रजत पदक के लिए सभी टीम को बधाई देते हुए, शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का जमीनी स्तर पर नियमित बेहतर क्रियान्वयन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

चिकित्सा अधिकारी ने थाने में दर्ज कराई खराब एंबुलेंस चोरी होने की रिपोर्ट

-संवाददाता-
अंबिकापुर,04 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दरिमा के चिकित्सा अधिकारी ने खराब एम्बुलेंस चोरी होने की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। इसके पूर्व भी एक महतारी एक्सप्रेस के चोरी होने का मामला सामने आया था, जिसमें पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया था,लेकिन किस कबाड़ी के यहां एंबुलेंस के टुकड़े-टुकड़े हुए इसका पर्दाफास पुलिस नहीं की है। चिकित्सा अधिकारी जनेश्वर सिंह ने दरिमा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र परिसर दरिमा में संजीवनी एक्सप्रेस एंबुलेंस वाहन क्रमांक सीजी 02-5041 खराब स्थिति में दरिमा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र परिसर में खड़ी थी, जो अस्पताल परिसर में नहीं है। वाहन की पतासाजी अपने स्तर पर करने पर किसी प्रकार की जानकारी नहीं मिली। उन्होंने किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा 20.04.2025 से 30.05.2025 के बीच संजीवनी एंबुलेंस संजीवनी के चोरी होना पुलिस को बताया है। इसके पहले भी इस स्वास्थ्य केन्द्र परिसर से खराब हालत में खड़ी महतारी एक्सप्रेस, एंबुलेंस क्रमांक सीजी 02-5628 की चोरी उपरोक्त तिथि के बीच हुई थी। इसकी रिपोर्ट सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दरिमा में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. सूरज सिंह ने 30 मई को थाने में दर्ज कराई थी। मेडिकल कॉलेज अस्पताल के एमसीएच परिसर में नकीपुरिया वार्ड के पास से चोरी गई संजीवनी एक्सप्रेस,एम्बुलेंस की चोरी के बाद बनी हडक्रम्प की स्थिति के बीच पुलिस जांच में जुटी,तो पता चला कि अस्पताल के ही एक कर्मचारी द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। पूछताछ में उसने दरिमा में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र परिसर से महतारी एक्सप्रेस,एम्बुलेंस की चोरी करना भी स्वीकार किया था। संजीवनी एम्बुलेंस के चोरी की रिपोर्ट 3 अगस्त को दरिमा थाने में दर्ज कराई गई है। चुारी के बाद एम्बुलेंस को किस कबाड़ी के सुपुर्द किया गया,इसका पर्दाफास होना शेष है। एम्बुलेंस चोरी की वारदात से लम्बे समय तक अस्पताल के जिम्मेदारों का अनभिज्ञ रहना भी चौंकाने वाला है।

पुलिस के गिरफ्त में आया एक और मादक पदार्थ डोडा तस्कर

आरोपी को झारखंड के जिला खूंटी से दबोचा कर लाया छत्तीसगढ़,पुलिस के द्वारा मामले में तीन आरोपी को पहले ही भेजा जा चुका है सलाखों के पीछे

-संवाददाता-
बसंतपुर,04 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

पुलिस महानिरीक्षक दीपक कुमार झा के निर्देशन पर बलरामपुर पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी के मार्गदर्शन में एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी और वाड्रफनगर निर्देश पर बसंतपुर पुलिस के द्वारा एनडीपीएस एक्ट में पूर्व में एक टाटा ट्रक क्रमांक. RJ19.GJ .7447. मैं चेकिंग के दौरान मादक पदार्थ (डोडा) जप्त कर तस्करों को गिरफ्तार किया गया था। तस्करी के मामले में गिरफ्तार आरोपियों ने उत्तम राय नामक व्यक्ति को सरगना बताया था। उत्तम राय नामक तस्कर राजस्थान के नागौर से लेकर रांची तक मादक पदार्थ डोडा की सप्लाई करता था। जिसको पुलिस ने दिनांक 29 जुलाई 2025 को पश्चिम बंगाल गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में पुलिस द्वारा सलाखों के पीछे भेजा जा चुका है। उसके मेमोरेंडम कथन के आधार पर अनिल सांगा. पिता जॉन राम संग. उम्र 37 वर्ष निवासी बिरहु. थाना खूंटी. जिला खूंटी(झारखंड) की संलिप्ता पाई गई थी। जिसे बसंतपुर थाना में मैं दर्ज अपराध क्रमांक 107/20 25. 15 (सी) 25 .29 एनडीपीसी एक्ट के तहत की जा रही जांच के दौरान 3 अगस्त 2025 को 19ः00 जिला खूंटी (झारखंड) से थे पुलिस के द्वारा दबोच कर लाया गया। पूछताछ में बताया कि उक्त मामले में मोती चौधरी बंटी हुड्डा. उत्तम राय के द्वारा खाते में पैसा डालकर किसानों से मादक पदार्थ (डोडा) खरीदा करता था। आरोपी अनिल सांगा को4/8/2025 को डबोच लाकर आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। उक्त कार्रवाई में निरीक्षक जितेंद्र सोनी 880 अजय टोप्पो आरक्षक 1193 जनार्दन सिंह शामिल रहे।

युवक के बैंक खाते में कराया अवैध ट्रांजेक्शन,आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज

-संवाददाता-
अंबिकापुर,04 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

परिचित युवक का बैंक खाता खुलवाकर एटीएम व पासबुक अपने पास स्टटे के अवैध कारोबार के लिए रखा था। पीड़ित युवक ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। ज्ञानेन्द्र पाण्डये पिता अवधनारायण पाण्डये उम्र 25 वर्ष डीपाडीह कला थाना शंकरगढ़ जिला बलरामपुर का रहने वाला है। वह अंबिकापुर नमनाकला में रहकर काम करता है। वह कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि इसका जान-पहचान पूर्व से सत्तीपारा निवासी आयुष सिन्हा उर्फ दीप सिन्हा से थी। वर्ष 2023 में आयुष सिन्हा ने ज्ञानेंन्द्र को बैंक ले जाकर नया सिम कार्ड खरीदवाया तथा बैंक ऑफ महाराष्ट्र में ले जाकर नया खाता खुलवाया। इसके बाद उसी दिन बनारस चौक स्थित केनरा बैंक में भी खाता खुलावा कर दोनों खाता में मोबाइल नम्बर को लिंक करा दिया। इसके बाद दोनों बैंक के एटीएम कार्ड व पासबुक अपने पास रख लिया था। उक्त दोनों खाते में अलग-अलग जगहों से रूपये का ट्रांजेक्शन हुआ है। ज्ञानेद्र पांडेय की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी आयुष सिन्हा के खिलाफ धारा 419, 420 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

कबाड़ दुकान में मिले कई वाहनों के पार्ट्स,संचालक पर कार्रवाई

-संवाददाता-
अंबिकापुर,04 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

चोरी के सामान कबाड़ दुकानों में बिक्री की सूचना पर मणिपुर थाना पुलिस ने ट्रांसपोर्ट नगर स्थित बेहरापारा गांव में कबाड़ के गोदाम पर छापेमारी की। यह कार्रवाई के दौरान चोरी के कई संदिग्ध सामान पाए गए हैं। पुलिस ने कबाड़ दुकान संचालक पर कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार राधेश्याम माली का ट्रांसपोर्ट नगर स्थित बेहरापारा में कबाड़ का आरोबार है। चोरी के सामान खपाए जाने की सूचना पर मणिपुर पुलिस ने कबाड़ दुकान में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान गोदाम से बड़ी मात्रा में पुराना व टूटा-फूटा वाहन पार्ट्स व लोहे का कबाड़ बरामद हुआ। जिसमें स्कूटी के 6 चक्के, बाइक के 9 चक्के, टाटा बस और बोलेरो के बंद इंजन, स्टेयरिंग, बड़ी व छोटी गाडियों के टायर डिस्क, डिफेंसर, शॉकर, लोहे की पानी टंकी, गैस टंकी तथा अन्य कबाडनुमा सामान। कुल 11 प्रकार के सामान बरामद किए गए हैं। जिन पर चोरी का संदेह जताया गया। पूछताछ में राधेश्याम माली उक्त सामानों का कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका और संतोषजनक जवाब भी नहीं दे सका।

जिला कांग्रेस कमेटी सुरगुजा ने बिजली बिल को लेकर भाजपा पर किया तीखा प्रहार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,04 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने कांग्रेस की सरकार के द्वारा लागू की गई बिजली बिल हाफ योजना को समाप्त करने की तैयारी कर ली है। 1 अगस्त से बिजली बिल हाफ योजना को समाप्त कर दिया गया है। डेढ़ वर्ष के शासन काल मे बिजली की दरों में प्रति यूनिट 80 पैसे की वृद्धि करने वाली राज्य की भाजपा सरकार ने महंगाई से जूझती प्रदेश की आम जनता पर एक और प्रहार किया है। ऊर्जा विभाग ने 3 अगस्त को अवकाश के दिन इन योजनाओं के समाप्ति के आदेश जारी किया है। कांग्रेस शासन में लागू हुई बिजली बिल हाफ योजना में 400 यूनिट तक के बिजली खपत पर बिजली बिल हाफ हो जाता था। इससे उपभोक्ताओं को बिल में औसतन 1000 तक कि छूट प्राप्त हो जाती थी। कांग्रेस की बिजली बिल हाफ योजना में ऐसी कोई शर्त नहीं थी कि 400 यूनिट से अधिक खपत होने पर बिजली बिल हाफ योजना का लाभ नहीं मिलेगा। लेकिन प्रदेश की साय सरकार ने 400 यूनिट की सीमा को कम करते हुए उसे 100 यूनिट कर दिया है और साथ ही उसमें यह शर्त भी जोड़ दिया है कि 100 यूनिट से अधिक खपत होती है तो किसी प्रकार की छूट नहीं मिलेगी। अर्थात अगर कोई उपभोक्ता महीने का 101 यूनिट बिजली खर्च कर ले तो उसको छूट का लाभ नहीं मिलेगा। पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी एस सिंहदेव ने जब ऊर्जा विभाग का प्रभार प्राप्त किया था तब उन्होंने बिजली बिल हाफ योजना को और विस्तार देते हुए जनहित में यह सुविधा उपलब्ध कराई थी कि उपभोक्ता यदि 6 माह तक भी बिजली बिल का भुगतान आर्थिक कठिनाइयों के कारण नहीं कर पा रहा है तो उसे 6 माह तक बिजली बिल हाफ योजना का लाभ मिलता रहेगा। भाजपा सरकार के इस जनविरोधी फैसले पर टिप्पणी करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रदेश

सरकार बिजली क्षेत्र में व्यापारिक हित को प्राथमिकता देते हुए जनाकांक्षाओं के विपरीत कार्य कर रही है। बिजली की कीमतों में वृद्धि,स्मार्ट मीटर लगाना, बिजली बिल हाफ योजना की समाप्ति ऐसे कदम हैं जो बतला रहे हैं कि किसी व्यापारिक हित के लिए विद्युत वितरण को निजी हाथ में सौपने की तैयारी है।

छत्तीसगढ़ के संसाधन जिनपर छत्तीसगढ़ के आम आदमी का हक है का उपयोग कर छत्तीसगढ़ सरप्लस बिजली पैदा कर रहा है और यहाँ के निवासियों को सरकार एक तरफ सुविधाएं मुहैया नहीं कर पा रही है और दूसरी ओर कीमतों में वृद्धि कर उनपर महंगाई का बोझ लाद रही है। इस मामले में पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने भी ट्वीट कर प्रदेश सरकार पर तंज कसा है। अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा है कि पहले स्मार्ट मीटर से बिल बढ़ाया सांय सांय,अब बिजली बिल हाफ योजना ही गई बाय बाय। उन्होंने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार में ऊर्जा विभाग ने आम आदमी को बिजली बिल में राहत पहुंचाकर भी मुनाफ़ा कमाया, लेकिन मौजूदा सरकार एक ओर आम आदमी की जेब काट रही है,वहीं दूसरी ओर नागरिक सुविधाओं में कटौती हो रही है।जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री बालकृष्ण पाठक,पीसीसी उपाध्यक्ष जे पी श्रीवास्तव, निगम के पूर्व सभापति अजय अग्रवाल, निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद, पीसीसी महामंत्री द्वितेन्द्र मिश्रा एवं पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता ने संयुक्त बयान जारी कर कहा है कि जनहित के नाम पर छत्तीसगढ़ की सत्ता को हासिल करने वाली भाजपा पिछले 19 महीने में लगातार जनविरोधी नीतियों को लागू कर रही है। विद्युत दरों में बढ़ोतरी,स्मार्ट मीटर परियोजना और बिजली बिल हाफ योजना की समाप्ति बतलाती है कि सरकार को प्रदेश के आम जनता से कोई सरोकार नहीं है। सत्ता ग्रहण करने के साथ ही सरकार एक व्यापारिक घराने के हित को साधने में लगी हुई है। बिजली के क्षेत्र में सरकार का रवैया देख लगता है कि उसी व्यवसायी को छत्तीसगढ़ में विद्युत वितरण सौंपने की तैयारी है।

श्रावण मानस महोत्सव में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ 11 जुलाई से अनवरत जारी है अखण्ड रामायण पाठ

-संवाददाता-
सूरजपुर,04 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

जिला मुख्यालय के मानस भवन में प्रतिदिन मास परायण मानस यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है भगवान श्री रामजी की असीम अनुकम्पा से विगत 53 वर्षों से सूरजपुर में श्री राम चरित मानस अखण्ड पाठ समिति के द्वारा निशुल्क अखण्ड मानस पाठ का आयोजन किया जा रहा है। जिनके घर आयोजन करवाया जाता है उनसे केवल एक नारियल एवं एक रुपया ही दक्षिणा स्वरुप लिया जाता है। समिति के सदस्य आपने निर्धारित समय पर स्वमेव उपस्थित होकर पाठ पूर्ण कराते हैं। 108 अखण्ड पाठ पूर्ण होने पर मानस यज्ञ एवं श्री राम कथा का आयोजन किया जाता रहा है। इस वर्ष समिति द्वारा सम्पूर्ण श्रावण मास पर्यंत अखण्ड पाठ एवं मानस यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। दिनांक 11 जुलाई श्रावण मास के प्रथम दिवस से प्रारम्भ श्रावण मानस महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन प्रातः अखण्ड पाठ प्रारम्भ होकर अगले दिन हवन आरती के बाद पुनः अखण्ड पाठ प्रारम्भ कर अनवरत 24 घंटे आयोजन में श्रद्धालुओं की भीड़ दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। सूरजपुर नगर में पहली बार इतनी लम्बी अवधि तक चलने वाले आयोजन को लेकर लोगों में काफ़ी कौतुहल एवं जन चर्चा है। दिनांक 10 अगस्त को पाठ समापन, हवन पूर्णाहुति एवं दोपहर 12:00 बजे से महाप्रसाद भंडारा आयोजित किया गया है। नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में पधार कर पुण्यार्जन हेतु अपील की गई है।

बारिश में निखरी छटा : झमाझम बारिश से भरे तालाब किनारे नवनिर्मित मानस भवन, यज्ञशाला की सुंदरता,यज्ञ की दिव्य सुगंध एवं मानस चौपाइयों तथा मंत्रो की गूंज से अद्भुत भक्तिमय वातावरण लोगों को आनंद विभोर कर बरबस ही अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

लखनऊ से अपहृत नाबालिग को पुलिस ने किया बरामद,आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर,04 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

प्रेमनगर थाना क्षेत्र की एक नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर ले जाने वाले आरोपी को सूरजपुर पुलिस ने उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ से गिरफ्तार कर बालिका को सकुशल बरामद कर लिया है। प्रकरण में बालिका के परिजन ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी बेटी परीक्षा देने गई थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। संदेह के आधार पर अपहरण का मामला थाना प्रेमनगर में दर्ज किया गया। एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण के जरिए आरोपी साहिल उर्फ अमन (22 वर्ष), निवासी लखनऊ तक पहुंच बनाई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो एवं एसडीओपी नरेन्द्र पुजारी के मार्गदर्शन में टीम लखनऊ रवाना हुई और अपहृत को आरोपी के कब्जे से मुक्त कराया। आरोपी के विरुद्ध धारा 137(2), 65(1), 87 बीएनएस व पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी विराट विशी, एएसआई रंजीत सोनवानी, प्रधान आरक्षक विनय किस्पोट्टा, आरक्षक रौशन सिंह, नागेन्द्र राजवाड़े, बृजेश काशी, महिला आरक्षक सिंधू कुजूर एवं अंजू सिंह की सक्रिय रही।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनीं आमजन की समस्याएं संबंधित अधिकारियों को दिया त्वरित कार्रवाई का निर्देश

-संवाददाता-
अंबिकापुर,04 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने व्यक्तिगत एवं सामूहिक समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर श्री भोसकर ने प्रत्येक आवेदकों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागीय अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जनदर्शन में प्राप्त समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाए एवं आवेदकों को समाधान की जानकारी भी सूचना पत्र के माध्यम से दी जाए। जनदर्शन में ग्रामीणों ने मुख्य रूप से राजस्व संबंधी मामले जैसे सीमांकन,ऋण पुस्तिका सुधार, बटवारा,वन अधिकार पत्र,अतिक्रमण,फौती नामांतरण,भूमि अधिग्रहण,सड़क निर्माण,स्कूल एडमिशन, आय-जाति प्रमाण पत्र से जुड़े आवेदन कलेक्टर श्री विलास भोसकर के समक्ष रखीं गई। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन की विभागीय समीक्षा कर निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जनदर्शन में जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, श्री रामसिंह ठाकुर, नगर निगम कमिश्नर श्री डी. एन. कश्यप सर्व एसडीएम सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत पकनी के 70 वर्षीय महिला को श्रवण यंत्र किया गया प्रदाय

-संवाददाता-
सूरजपुर,04 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

समाज कल्याण विभाग में श्रवण यंत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया था। आवेदन प्राप्त होते ही जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चन्द्रमणी पैकरा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बिजेन्द्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन एवं सहयोग से त्वरित कार्यवाही करते हुए जनपद पंचायत ओड़गी के ग्राम पंचायत पकनी के निवासी 70 वर्षीय श्रीमती रामसखी वर्मा को श्रवण यंत्र प्रदान किया गया। श्रवण यंत्र प्राप्त कर श्रीमती वर्मा ने जिला प्रशासन का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

आवश्यकता है

दैनिक समाचार पत्र में कार्य करने हेतु निम्न पदों के लिए योग्य कर्मठ,जुझारू,महिला/पुरूष की आवश्यकता है।

स.क्र.	पद	संख्या	वेतन
01	सह संपादक	1 पद	10,000 से 15,000
02	समाचार संपादक	1 पद	10,000 से 15,000
03	प्रबंध संपादक	1 पद	10,000 से 15,000
04	विज्ञापन प्रभारी	2 पद	10,000 से 15,000
05	ब्यूरो चीफ	1 पद	10,000 से 15,000
06	संवाददाता	2 पद	8000 से 12,000

नोटः- आवेदक फोन पर संपर्क ना करें। स्वयं बायोडाटा के के साथ कार्यालय में संपर्क करें।

पता :- कार्यालय दैनिक समाचार पत्र घटती-घटना शनि मंदिर के पास,नमनाकला,अम्बिकापुर छत्तीसगढ़, मो0नं0 - 98265-32611

रूस के ऑयल डिपो पर यूक्रेन का ड्रोन अटैक,आग लगी

विस्फोट का वीडियो बनाने वाली दो रशियन लड़कियों को हिरासत में लिया

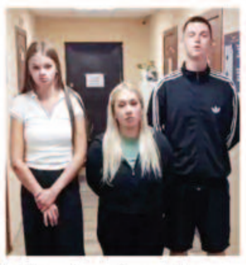

मॉस्को,04 अगस्त 2025। यूक्रेन ने रविवार को रूस के सोची स्थित एक ऑयल डिपो पर ड्रोन से हमला किया। हमले के बाद डिपो में भीषण आग लग गई। क्रास्नोडार क्षेत्र के गवर्नर वेनियामिन कोंद्रात्येव ने बताया कि ड्रोन के मलबे के तेल टैंक से टकराने के बाद आग लगी, जिसे बुझाने के लिए 120 से ज्यादा दमकलकर्मी लगाए गए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में डिपो से उठते काले धुएं के गुबार देखे जा सकते हैं। हमले के बाद रूस की नागरिक उड्डयन एजेंसी रोसावियात्सिया ने कुछ समय के लिए सोची एयरपोर्ट पर उड़ानें रोक दीं। इस दौरान 2 रशियन लड़कियां विस्फोट के साथ वीडियो बनाते हुए भी नजर आईं। दोनों के साथ बैकग्राउंड में एक युवक भी मौजूद था। रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, रशियन सेना ने शनिवार रात से रविवार सुबह तक रूस और ब्लैक सी के ऊपर यूक्रेन के 93 ड्रोन मार गिराए। हालांकि रूस के वोरोनेज क्षेत्र में एक और यूक्रेनी ड्रोन हमले में चार लोग घायल हो गए। दूसरी तरफ रूस भी लगातार यूक्रेन पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है। यूक्रेनी वायुसेना के मुताबिक शनिवार रात 2 अगस्त को रूस ने 76 ड्रोन और 7 मिसाइलें दागीं। इनमें से 60 ड्रोन और 1 मिसाइल को मार गिराया गया। बाकी 16 ड्रोन और 6 मिसाइलें आठ अलग-अलग जगहों पर गिरीं। इससे पहले 31 जुलाई को रूसी ड्रोन और मिसाइल हमले में यूक्रेन के 31 लोग मारे गए थे। इनमें 5 बच्चे शामिल थे, जबकि 150 से ज्यादा घायल हुए थे।

स्कॉटलैंड में गर्मियों के तूफान से जनजीवन अस्त-व्यस्त,ट्रेनें रद्द

लंदन,04 अगस्त 2025। स्कॉटलैंड में गर्मी के मौसम में भी एक दुर्लभ तूफान आने से हालात बिगड़ गए हैं। प्रशासन ने ट्रेन सेवाएं रद्द कर दी हैं, पार्क बंद कर दिए हैं और लोगों को चेतावनी जारी है कि वे अपने बगीचों में रखे टेंट,फर्नीचर और अन्य सामान को मजबूती से बांध दें ताकि उनके तेज हवा में उड़ने से किसी का नुकसान न हो। ब्रिटेन के मौसम विभाग ने स्कॉटलैंड के लिए मध्यम से गंभीर स्तर की तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। इसका मतलब है कि तूफान से जान और माल को खतरा हो सकता है, खासकर तटीय इलाकों में जहां ऊंची समुद्री लहरें उठ सकती हैं। विभाग ने कहा है कि हवाओं की रफ्तार 137 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है और इसके साथ तेज बारिश भी होगी। यह तूफान ऐसे समय में आया है, जब स्कॉटलैंड में पर्यटन का सबसे व्यस्त समय चल रहा है। हजारों की संख्या में लोग एडिनबरा फ्रिंज और अन्य कला महोत्सवों में हिस्सा लेने पहुंचे हुए हैं। एडिनबरा मिलिट्री टैटू शहर का बहुत मशहूर शो है,उसने सोमवार को होने वाला एक बड़ा कार्यक्रम रद्द कर दिया है। यह कार्यक्रम एडिनबरा के किले में खुली जगह पर होना था। इसमें बैगपाइप और ड्रम बजाने वाले लोग भाग लेते हैं। स्कॉटलैंड में कई ट्रेन कंपनियों ने अपनी सेवाएं बंद कर दी हैं और कुछ फेरी सेवाएं भी रद्द कर दी गई हैं।

ट्रंप की डेडलाइन के मुहाने पर रूस-यूक्रेन युद्ध

पुतिन के हठ के आगे अब क्या करेगा अमेरिका ?

मॉस्को,04 अगस्त 2025। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को लेकर आने वाला सप्ताह बेहद निर्णायक हो सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को अंतिम चेतावनी दी है कि वह शुक्रवार तक युद्ध रोकने पर सहमति दे। हालांकि माना जा रहा है कि पुतिन अपने हठ के आगे किसी की नहीं सुन रहे हैं, ऐसे में सवाल ये खड़ा होता कि तब अमेरिका क्या करेगा? बता दें, ट्रंप ने कहा था अगर रूस उसकी बात नहीं मानेगा तो ट्रंप पुतिन के देश पर कई कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगा सकते हैं। ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ इस हफ्ते मध्य में मॉस्को पहुंचने वाले हैं, लेकिन रूस की जिद और यूक्रेन में जारी तबाही के बीच अमेरिका की कोशिशें भी अब तक नाकाम साबित होती दिख रही हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के दूत की मास्को यात्रा

ट्रंप ने रविवार को कहा कि उनके विशेष दूत स्टीव विटकॉफ बुधवार या गुरुवार को मॉस्को जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि रूस खुद उनसे मुलाकात करना चाहता है। हालांकि, पिछली कई वार्ताएं विफल रही हैं। ट्रंप का कहना है कि वह रूस पर नए प्रतिबंध लगाने के अलावा उन देशों पर भी टैक्स लगाने की योजना बना रहे हैं जो रूसी तेल खरीद रहे हैं, जिनमें भारत और चीन प्रमुख हैं।

रूस पर प्रतिबंधों का सीमित असर

रविवार को ट्रंप ने खुद स्वीकार किया कि रूस ने अब तक अमेरिकी प्रतिबंधों को चतुराई से नाकाम किया है। उन्होंने रूसियों को चालाक बताया और कहा कि उन्हें नहीं लगता कि सिर्फ प्रतिबंध पुतिन को झुकाने के लिए काफी होंगे। उधर, यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अमेरिका और यूरोपीय देशों से रूस की ऊर्जा, व्यापार और बैंकिंग पर और सख्त सेकंडरी प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

पुतिन के तेवर सख्त

जैसे-जैसे ट्रंप की डेडलाइन करीब आ रही है, कूटनीतिक तापमान भी बढ़ता जा रहा है। पुतिन ने शुक्रवार को घोषणा की कि रूस की नई हाइपरसोनिक मिसाइल ओरेश्निक अब सेवा में आ चुकी है। यह मिसाइल परमाणु हमले जितनी तबाही ला सकती है। इसके अलावा, पूर्व राष्ट्रपति मेदवेदेव ने भी अमेरिका और रूस के बीच सीधे टकराव की चेतावनी दी है। जवाब में ट्रंप ने दो अमेरिकी परमाणु पनडुब्बियों को 'उचित क्षेत्रों' में तैनात करने का आदेश दिया। इस पर पुतिन ने कहा कि ऐसी परमाणु वाली बयानबाजी से अमेरिका को सतर्क रहना होगा। 1,000 किलोमीटर लंबे युद्धक्षेत्र में रूस की सेना धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। फिलहाल वह यूक्रेन के पूर्वी शहर पोक्रोव्स्क पर कब्जा जमाने की कोशिश में है। यह शहर रणनीतिक रूप से बेहद अहम है। हालांकि यूक्रेन भी पीछे नहीं है। उसने रूसी सरजमीं पर लंबी दूरी के ड्रोन हमलों की तकनीक विकसित की है और हाल में उसने सोची के पास एक तेल डिपो पर बड़ा हमला किया।

यूक्रेनी सेना में महिलाओं की संख्या दोगुनी हुई,साढ़े तीन साल में 1 लाख पहुंची

कीव,04 अगस्त 2025। यूक्रेन और रूस युद्ध के बीच यूक्रेन की सेना में महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। बीते साढ़े तीन साल में सेना में महिलाओं की संख्या बढ़कर एक लाख हो गई है। फिलहाल यूक्रेनी सेना में कुल 10 लाख सैनिक हैं। रिपोर्ट के मुताबिक,युद्ध शुरू होने के बाद महिलाएं सेना में शामिल होने के लिए खुद आगे आ रही हैं। सशस्त्र बलों की सलाहकार ओक्साना ग्रिगोरिएवा बताती हैं कि रूस के खिलाफ फिलहाल साढ़े पांच हजार महिलाएं सीधे मोर्चे पर हैं। ये महिलाएं ड्रोन से लेकर सीधे मोर्चे पर तोपें संभाल रही हैं। इसके अलावा ये मेडिकल सपोर्ट, फ्रंटलाइन ट्रांसपोर्ट जैसी ड्यूटीज भी निभा रही हैं। बता दें कि 2022 में रूस के आक्रमण से पहले सेना में 15त्न महिलाएं थीं। अब उनकी संख्या दोगुनी हो गई है। ग्रिगोरिएवा कहती हैं कि सैन्य स्कूलों और कॉलेजों में अब 20% छात्राएं हैं, जो बड़ा बदलाव है। पूर्व पेशेवर हेप्टाथलीट अलीना शुख ने शुरू में प्रतिष्ठित अजोव ब्रिगेड में भर्ती होने की कोशिश की,लेकिन उन्हें बताया गया कि उनके लिए कोई पद नहीं है। इसके बाद वे खर्टिया ब्रिगेड में शामिल हुईं। शुख कहती हैं कि वह अपनी ब्रिगेड में ज्यादातर पुरुष सैनिकों से मजबूत हैं। वहीं, तोपखाने की कमांडर ओल्हा बिहार कहती हैं कि टेक्नोलॉजी युद्ध को बदल रही है।

बांग्लादेश सरकार शेख हसीना के घर को म्यूजियम बनाएगी

15 साल इस घर में रहीं पूर्व पीएम,पिछले साल यहां हुई थी तोड़फोड़-लूटमार

ढाका,04 अगस्त 2025। बांग्लादेश सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पुराने आधिकारिक घर गणभवन को म्यूजियम में बदलने का फैसला किया है। इसे जुलाई क्रांति स्मारक संग्रहालय कहा जाएगा। शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान ने इस घर को फिर से बनवाया था। इससे पहले इस जगह को एस्टेट राजबाड़ी के नाम से जाना जाता था। गणभवन ढाका के शेर-ए-बांग्ला नगर में है, जो संसद भवन के पास है। बांग्लादेश सरकार इसे देश के नेता के आधिकारिक घर के रूप में इस्तेमाल करती थी। शेख हसीना 2010 में यहां रहने आई थीं और 5 अगस्त 2024 तक यानी 15 साल यही उनका घर रहा। पिछले साल उनके तख्तापलट के कुछ देर बाद ही यहां तोड़फोड़ और लूटमार शुरू हो गई थी।

भीड़ ने हमला कर महिलाओं के कपड़े भी लूट लिए थे : भीड़ ने यहां से साड़ियां, सजावटी सामान,घड़ियां, सोफे, लग्जरी हैंडबैग, टेलीविजन, मछलियां और यहां तक कि महिलाओं के कपड़े तक लूट लिए थे। सोशल मीडिया पर लूट की तस्वीरें वायरल हो गईं थीं। बाद में अधिकारियों ने दावा किया कि लूटा गया सामान वापस कर दिया गया। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस की लीडरशिप वाली अंतरिम सरकार ने गणभवन को शेख हसीना के कुशासन की निशानी बताते हुए इसे म्यूजियम बनाने की घोषणा की। यह म्यूजियम पिछले साल की हिंसा में मारे गए प्रदर्शनकारियों की याद में बनाया जा रहा है। बांग्लादेश के संस्कृति मंत्रालय ने इस म्यूजियम के मैनेजमेंट के लिए 200 पदों का प्रस्ताव दिया है।

शेख मुजीब से जुड़ी कई निशानियों पर हमला : बांग्लादेश में बीते एक साल से लगातार शेख हसीना और उनके पिता से जुड़ी कई निशानियों पर हमला किया जा रहा है। बीते 12 महीने में शेख मुजीब की मूर्ति को तोड़ा गया और कई सार्वजनिक स्थानों पर लगी नेमप्लेट को भी हटा दिया गया। इसके अलावा स्कूल की किताबों में उनसे जुड़े कई चैप्टर को बदला गया और नोट पर लगी तस्वीरों को भी हटा दिया गया। अंतरिम सरकार ने आजादी और संस्थापक से जुड़े दिनों की 8 सरकारी छुट्टियां भी कैंसिल कर दी थी। शेख मुजीबुर्रहमान बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति थे। वह 17 अप्रैल 1971 से लेकर 15 अगस्त 1975 तक देश के प्रधानमंत्री भी रहे थे। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता मुजीबुर्रहमान ने बांग्लादेश को पाकिस्तान से आजादी दिलाने में भी बड़ी भूमिका निभाई थी।

संघर्षविराम के बाद थाईलैंड और कंबोडिया के अधिकारियों की मलयेशिया में बैठक,तनाव कम की कोशिशें तेज

कुआलालंपुर,04 अगस्त 2025। थाईलैंड और कंबोडिया के अधिकारियों ने सोमवार को मलयेशिया में पहली बार आमने-सामने बैठक की। पिछले हफ्ते दोनों देशों के बीच घातक सीमा संघर्ष के बाद संघर्षविराम लागू हुआ था। उसके बाद यह पहली औपचारिक बैठक थी। इस संघर्ष में कई दर्जन लोगों की जान गई और 2.6 लाख से ज्यादा लोग बेघर हुए।

चार दिन तक चलने वाली सामान्य सीमा समिति की यह बैठक पहले कंबोडिया में होनी थी। लेकिन बाद में दोनों देशों ने एक तटस्थ स्थान के तौर पर मलयेशिया में मिलने पर सहमति बनाई। मलयेशिया इस साल आसियान का अध्यक्ष भी और पिछले महीने दोनों देशों के बीच संघर्ष रुकवाने में मध्यस्थ की भूमिका निभा चुका है। 28 जुलाई को संघर्षविराम तब लागू हुआ, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों को आर्थिक दबाव में लेकर चेतावनी दी कि अगर संघर्ष बंद नहीं हुआ, तो अमेरिका उनके साथ कोई व्यापार समझौता नहीं करेगा। संघर्ष विराम के बाद एक अगस्त को अमेरिका ने इन देशों से आयात होने वाले सामान पर टैरिफ 36 फीसदी से घटाकर 19% कर दिया। आज बातचीत का मुख्य उद्देश्य यह था कि भविष्य में दोबारा कोई झड़प न हो,इसके लिए नियम तय किए जाएं। सीमा विवाद वाले इलाकों पर पुराने दावों को इस चर्चा का हिस्सा नहीं बनाया गया।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सदियों से शत्रुता है। एक समय दोनों शक्तिशाली साम्राज्य हुआ करते थे। 1962 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) ने प्रेह विहार मंदिर वाली जमीन पर कंबोडिया का हक बताया था,जिससे थाईलैंड नाराज हुआ। इसके बाद भी कई सीमा क्षेत्र ऐसे रहे, जिन्हें दोनों देश अपना बताते रहे। 2011 में प्रेह विहार में फिर से संघर्ष भड़क गया था। 2013 में आईसीजे ने पहले वाले फैसले को दोहराया, जिससे थाईलैंड और नाराज हुआ।

बाढ़ और बारिश से पाकिस्तान में हाहाकार

अब तक 299 लोगों की मौत,140 बच्चे भी शामिल

नई दिल्ली,04 अगस्त 2025। जून के अंत से पाकिस्तान के कई हिस्सों में आई अचानक बाढ़ और मूसलाधार बारिश के कारण हाहाकार मचा हुआ है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने बताया कि बाढ़ और बारिश के कारण 140 बच्चों सहित कम से कम 299 लोगों की मौत हो गई है और 700 से ज़्यादा लोग घायल हुए हैं। एनडीएमए ने कहा कि 26 जून से शुरू हुई इस बाढ़ ने पूरे देश में तबाही मचा दी है। मरने वालों में 102 पुरुष,57 महिलाएं और 140 बच्चे शामिल हैं,जबकि घायलों में 239 बच्चे, 204 महिलाएं और 272 पुरुष शामिल हैं। डॉन के अनुसार,इस भीषण मौसम ने 1,676 घरों को भी नुकसान पहुँचाया है–जिनमें से 562 पूरी तरह से नष्ट हो गए और 1,114 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। बाढ़ के कारण 428 पशुधन भी मारे गए,जिससे प्रभावित समुदायों की मुश्किलें और बढ़ गईं। एनडीएमए ने पुष्टि की है कि उसने 223 बचाव अभियान चलाए हैं और बाढ़ प्रभावित इलाकों से 2,880 लोगों को सफलतापूर्वक निकाला है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, राहत कार्यों में 13,400 से ज़्यादा ज़रूरी वस्तुओं का वितरण शामिल है, जिनमें 2,000 टेंट, 958 कंबल,569 रज़ाईयाँ, 613 गद्दे और 1,100 से ज़्यादा खाने के पैकेट शामिल हैं। इसके अलावा,अधिकारियों ने 1,282 किचन सेट, 350 लाइफ जैकेट, 1,122 हाइजीन किट,2,170 तिरपाल और 146 डी-वाटरिंग पंप उपलब्ध कराए हैं। चिकित्सा सहायता भी प्रदान की जा रही है, 71 शिविर स्थापित किए गए हैं, जहाँ अब तक 577 लोगों का इलाज किया जा चुका है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, एनडीएमए ने बताया कि कई क्षेत्र अभी भी प्रभावित हैं और प्रांतीय और संघीय एजेंसियों के साथ मिलकर संयुक्त अभियान चलाए जा रहे हैं।

प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास सूरजपुर में कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन

-संवाददाता-

सूरजपुर,04 अगस्त 2025 (घटती-घटना)। श्रीमती विनीता वार्नर, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर के मार्गदर्शन में और माननीय श्री आनंद प्रकाश वारियाल,जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय के निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर द्वारा प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास में कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और वक्ता श्री आनंद प्रकाश वारियाल थे। उन्होंने बच्चों को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के बारे में विस्तार से जानकारी दी और अपने अनुभव साझा किए। न्यायाधीश ने बच्चों को सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि बच्चों की न्यूड तस्वीरें या वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड या शेयर करना एक गंभीर अपराध है। इसके अलावा, उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 और विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के तहत आम नागरिकों को मिलने वाली मुफ्त कानूनी सहायता और सलाह के बारे में भी बताया। इस दौरान, उन्होंने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की वेबसाइट और टोल फ्री नंबर 15100 की सेवाओं के बारे में भी जानकारी दी। कार्यक्रम में न्यायाधीश विचारों और उनके द्वारा दी गई जानकारी से बचे इतने प्रभावित हुए कि प्रश्नोत्तरी काल में सारे बच्चों ने कई सवाल पूछे कि प्रश्नोत्तरी काल में पूरा 1 घंटा लगा न्यायाधीश के जवाबों से बच्चों के मन उत्साह की लहर देखने को मिली वहीं कार्यक्रम में न्यायाधीश ने बच्चों को कैरियर गाइडेंस की। कार्यक्रम में छात्रावास अधीक्षक श्री राम ज्ञान सिंह,पीएलवी श्री सत्य नारायण, उमेश कुमार राजवाड़े और छात्र उपस्थित रहे।

तहसीलदारों के अनिश्चितकालीन हड़ताल से कामकाज प्रभावित

-संवाददाता-

अंबिकापुर,04 अगस्त 2025 (घटती-घटना)। सरगुजा सहित पूरे प्रदेशभर में तहसीलदार और नायब तहसीलदारों ने अपनी 17 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन जारी है। पहले चरण में 28 से 30 जुलाई तक सांकेतिक हड़ताल था। 31 जुलाई से अब अनिश्चितकाली हड़ताल शुरू हो गई है। अनिश्चितकालीन हड़ताल का सोमवार को पांचवों दिन था। यह आंदोलन कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ के बैनर तले किया जा रहा है। हड़ताल का प्रमुख नारा है - संसाधन नहीं तो काम नहीं। अंबिकापुर तहसीलदार उमेश्वर सिंह बाज का कहना है कि जब तक कार्यालयों में आवश्यक संसाधन, पर्याप्त मानव बल, सुरक्षा और तकनीकी सुविधाएं नहीं मिलतीं, तब तक काम करना संभव नहीं है। संघ द्वारा लंबे समय से शासन और विभाग से इन समस्याओं के समाधान की मांग की जाती रही है। इनमें तहसीलों में पदों के अनुसार कर्मचारियों की नियुक्ति,तहसील न्यायालयों में सुरक्षा व्यवस्था,शासकीय वाहन की सुविधा, कंप्यूटर और तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता जैसी मांगें शामिल हैं। लेकिन शासन द्वारा इन मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है। हड़ताल के पहले दिन जिलेभर के तहसील कार्यालयों में कामकाज पूरी तरह प्रभावित रहा। नागरिक विभिन्न कार्यों के लिए कार्यालयों में पहुंचे लेकिन सभी को निराशा हाथ लगी। दस्तावेज़ सत्यापन,जाति प्रमाण-पत्र, नामांतरण जैसे कार्य रुक गए। अंबिकापुर तहसीलदार ने कहा कि हम प्रशासन की रीढ़ हैं,लेकिन हमें ही सुविधाओं से वंचित रखा गया है। जब तक मांगे नहीं मानी जाएंगी,आंदोलन जारी रहेगा।

ईमारती लकड़ी से लदे दो ट्रक जब्त

-संवाददाता-

अंबिकापुर,04 अगस्त 2025 (घटती-घटना)। कोतवाली पुलिस ने ईमारती लकड़ी से लदे दो ट्रक को जब्त किया है। पुलिस ने मामले की जांच व कार्रवाई के लिए वन विभाग को सौंप दिया है। जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली कि लालमाटी रायगढ़ रोड की ओर से दो ट्रक चालक ईमारती लकड़ी लेकर बिलासपुर की ओर जा रहे हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों ट्रकों को रोककर तलाशी ली तो ईमारती लकड़ी पाई गई। पुलिस ने चालकों से लकड़ी परिवहन के संबंध में दस्तावेज की मांग की। चालकों के पास कोई वैध दस्तावेज न होना पाया गया। वहीं ट्रक चालक उक्त लकड़ी को बिलासपुर व रायपुर ले जाना बताया। पुलिस ने वाहन में लदे ट्रक क्रमांक सीजी 4 एमबी 5670 एवं सीजी 10 बीयू 5795 को चालक सहित जांच व कार्रवाई के लिए वन विभाग को सुपुर्द कर दिया है।

हेलमेट जागरूकता हेतु सेवा किटी समूह की अभिनव पहल

-संवाददाता-

अंबिकापुर,04 अगस्त 2025 (घटती-घटना)। मंगलवार को सेवा किटी समूह द्वारा गांधी चौक में दोपहिया वाहन चालकों एवं सवारियों के लिए हेलमेट जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में सरगुजा कलेक्टर विलास भोस्कर,आईजी दीपक झा, एसएसपी राजेश अग्रवाल,एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहेंगे। आज कार्यक्रम दोपहर 4 से 6 बजे तक डाटा सेंटर के सामने आयोजित होगा,जिसमें हेलमेट पहनकर आने वाले चालकों व सवारियों को सम्मानित किया जाएगा। यह पहल सडक़ सुरक्षा और जनजागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से की जा रही है। संयोजक मंगल पाण्डेय और समन्वयक अनिल कुमार मिश्रा ने नागरिकों से अपील की है कि वे हेलमेट पहनने की आदत अपनाकर समाज को प्रेरणा दें।

क्या जिला अस्पताल के डॉक्टर व स्टाफ बने निजी अस्पताल के एजेंट?

जिला अस्पताल के डॉक्टर इलाज करने से घबरा रहे क्योंकि एजेंट बनने पर ही उन्हें निज अस्पताल दे रहा मोटा पैसाःसूत्र

-शमरोज खान-

सूरजपुर,04 अगस्त 2025 (घटती-घटना)। सरकार लगातार बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था के दावे कर रही है और जिला चिकित्सालय में डॉक्टर सहित व्यवस्थाओं पर करोड़ों खर्च कर रही है, इसके बाद भी क्या आम आदमी व गरीबों को बेहतर इलाज मिल पा रहा है या कहा जाए तो सारी व्यवस्था देने के बाद भी रेफर केंद्र ही बना हुआ है, सूरजपुर जिले में जितनी बड़ी इमारत शासकीय जिला अस्पताल के पास है और जितने उपकरण व स्टाफ डॉक्टर है उतने किसी भी अस्पताल में नहीं होंगे,सरकार अपने तरफ से बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था मोहया करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, पर सरकारी अस्पताल में सरकार के तरफ से मिलने वाले वेतन से स्टाफ व डॉक्टर खुश नहीं है यही वजह है कि वह अपने कर्तव्यों का निर्वहन न करके जिले के निजी अस्पतालों के एजेंट बन गए हैं? सूत्रों से मिली जानकारी आ रही है उसमें यह बताया जा रहा है कि जिला चिकित्सालय में महिला विशेषज्ञ डॉक्टर कई है फिर भी यह डॉक्टर इलाज नहीं कर रहे हैं निजी अस्पतालों को पर्ची लिखकर वहां मरीजों को भेज रहे हैं, यदि ऐसा हो रहा है तो फिर यह तो नियम विरुद्ध है कहीं ना कहीं सरकार के मनसा पर यह पानी फेर रहे हैं, इस मामले को लेकर सूरजपुर जिला अस्पताल काफी चर्चा में है, खासकर महिला विशेषज्ञों को लेकर ऐसी स्थिति देखी जा रही है तमाम तरह से डिलीवरी केस निजी अस्पताल के लिए भेजे जा रहे हैं जिस वजह से जो इलाज जिला अस्पताल में मुफ्त में होना है उसके लिए लोग निज अस्पताल में भारी भरकम पैसा खर्च कर रहे हैं।

देवरानी जेठानी की जोड़ी

देवरानी जेठानी की जोड़ी जमकर जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं,एक डाक्टर जहां जिला अस्पताल में पदस्थ है तो दूसरे का निजी अस्पताल संचालित हो रहा है,इन दोनों के साथ गांठ से जिला अस्पताल के मरीज निजी अस्पताल में जाते हैं और सूत्रों का तो यह भी दबा है कि उस निजी अस्पताल में जाकर यह डॉक्टर भी वहां इलाज करते हैं,जिला अस्पताल में वह बेहतर इलाज नहीं दे पाती हैं पर उस निजी अस्पताल में जाकर बेहतर इलाज देती है, यहां तक की झूठ बोलकर मरीजों को भेजा जाता है कि यहां पर सुविधाएं उपलब्ध नहीं है,यदि इस मामले पर सरकार जल्द से जल्द कड़ा रुख नहीं अपनाया तो इतने पैसे खर्च करने के बाद भी सरकार की योजनाओं का लाभ लोगों को नहीं मिल सका, तो इसका नुकसान आगामी चुनाव में देखने को मिलेगा सरकार से भरोसा लोगों का उठ जाएगा और सरकार से लोगों का भरोसा सिर्फ ऐसे कर्मचारियों की वजह से ही उठेगा।

बीएल मेमोरियल मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल रहता है हमेशा सुर्खियों में आए दिन आती है शिकायत?

यह निजी अस्पताल हमेशा सुर्खियों में रहता है यह जिला अस्पताल से चंद मीटर की दूरी पर है और यहां पर सबसे ज्यादा शासकीय अस्पताल के मरीजों को भेजा जाता है, वह भी यह बोलकर की जिला अस्पताल में सुविधा नहीं है इलाज नहीं हो पाएगा,सुविधा होने के बाद भी यहां के डॉक्टरों का यह कह कर भेजना कहीं ना कहीं शासन के मांसाओं पर पानी फेर रहा है फिर भी ऐसे डॉक्टर पर कार्यवाही क्यों नहीं हो रही? स्वास्थ्य मंत्री को भी इस बात पर संज्ञान लेना चाहिए और सरकार की मंशा के अनुरूप तत्काल जिला अस्पताल के ऐसे कर्मचारियों को चिन्हित कर कार्यवाही करना चाहिए ताकि शासन की बेहतर सुविधाओं का लाभ आम लोगों को मिल सके।

क्या नर्सिंग एक्ट का इस अस्पताल में हो रहा पालन?

सूत्रों का यह भी दावा है कि निजी अस्पतालों में नर्सिंग एक्ट का खुला उल्लंघन हो रहा है यहां पर यदि जांच हो जाए तो सारी कमियां निकाल कर बाहर आ जाएंगे, नर्सिंग एक्ट में जितने नियम दिए गए हैं जो सुविधाएं एक की अस्पताल में होनी चाहिए वह क्या सही तरीके से उपलब्ध हैं जिसकी लिए जांच होने की मांग उठ रही है।

जिला चिकित्सालय में पदस्थ डॉक्टर इस अस्पताल में मरीज को करते हैं रेफर

जिला अस्पताल के डॉक्टर व स्टाफ इस कदर निजी अस्पताल के मालिकों के गिरफ्त में हो गए हैं कि वह सरकार के मंशा को ही बट्टा लगा रहे हैं सारी सुविधाएं होने के बाद भी निजी अस्पतालों में सिर्फ इसलिए भेज रहे हैं क्योंकि निजी अस्पताल के मालिक जिला अस्पताल के लोगों को हर केस का पैसा दे रहे हैं चाहे वह ऑपरेशन हो या फिर सोनोग्राफी या फिर अन्य चीज सबके रेट तय हैं घटती घटना को एक कार्ड हाथ लगा है जिसमें डॉक्टर को कितना पैसा उस निजी अस्पताल से मिलता है यह उसमें लिखा हुआ है,साथ ही वह पर्ची भी हाथ लगी है जो सरकारी अस्पताल के डॉक्टर निजी अस्पताल के लिए लिखकर देते हैं।

जिम्मेदार अधिकारियों को भी है सब मालूम लेकिन साधे हैं चुप्पी

ऐसा नहीं है कि यह बात किसी को पता नहीं है जिम्मेदार अधिकारी भी इस बात से अनभिज्ञ नहीं है फिर भी आंख मुंधे बैठे हुए हैं और निजी अस्पतालों को अपनी मनमर्जी करने की खुली छूट दे रखा है वही वर्तमान सरकार के उद्देश्यों को यह मटियामेट कर रहे हैं सरकार लगातार बेहतर व्यवस्था व सुविधाओं की दवा कर रही है वहीं चंद पैसों के लिए यहां के स्टाफ व डॉक्टर सरकार की मनसा को ही गलत साबित करने में तुले हुए हैं।

पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने साधा निशाना

कहा हाफ बिजली बिल योजना से छेड़छाड़ कर भाजपा ने जनता को ठगा

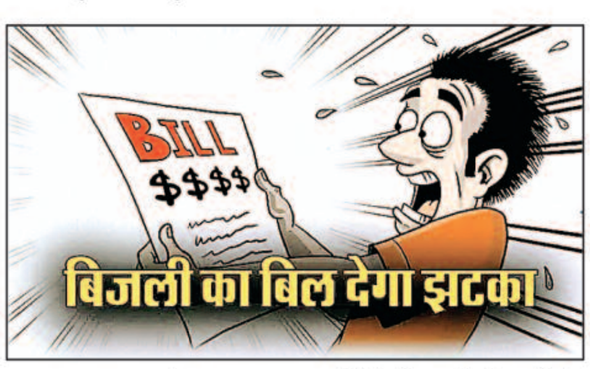

-राजन पाण्डेय-

भरतपुर-सोनहत, 4 अगस्त 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार द्वारा हाफ बिजली बिल योजना में किए गए संशोधन को लेकर पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सरकार के इस फैसले को गरीबों के हितों के खिलाफ बताते हुए इसे जन विरोधी और धोखा देने वाला कदम कहा। गुलाब कमरों ने कहा कि,कांग्रेस सरकार के समय लागू की गई 400 यूनिट तक हाफ बिजली बिल योजना गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए राहत का माध्यम बनी थी, लेकिन भाजपा सरकार ने इसे 100 यूनिट तक सीमित कर गरीबों झटका दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार लगातार जनहितैषी योजनाओं को या तो बंद कर रही है या उनका स्वरूप इस कदर बदल रही है कि वे सिर्फ कागजों तक सीमित रह जाएं। कमरों ने कहा कि अब जिन उपभोक्ताओं की खपत 100 यूनिट से थोड़ी भी ज्यादा हो जाती है, उन्हें पूरी बिजली की दरों पर भुगतान करना होगा,जिससे हर महीने हजारों उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। सरकार वादा खिलाफी कर रही है। चुनाव से पहले बिजली बिल हाफ रखने की बात की और अब उसे इस तरह संशोधित कर रही है कि असल में कोई लाभ ही नहीं मिल पाए। यह सीधा-सीधा जनता के साथ धोखा है,उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा। उन्होंने मांग की कि सरकार तत्काल संशोधन को रद्द कर पुरानी 400 यूनिट तक की हाफ बिल योजना को बहाल करें, अन्यथा यह जनाक्रोश को न्यौता देने वाला फैसला साबित होगा।

क्या है संशोधन

ऊर्जा विभाग की ओर से जारी नए दिशा-निर्देशों के मुताबिक अब हाफ बिजली बिल योजना का लाभ केवल 100 यूनिट तक की खपत पर ही मिलेगा। यदि उपभोक्ता की खपत 100 यूनिट से अधिक होती है, तो उस माह उसे योजना का लाभ नहीं मिलेगा। साथ ही, 6 माह से अधिक बकाया बिल होने पर भी उपभोक्ता योजना से बाहर हो जाएगा। वहीं एकल बत्ती योजना के पात्र उपभोक्ताओं को 30 यूनिट तक मुफ्त बिजली और 30 से 100 यूनिट तक 50 प्रतिशत की छूट पहले की तरह जारी रहेगी।

कांग्रेस ने समर्थित लोगों को जोड़े रखने के लिए दिया दायित्व

सागर शर्मा को पटना मंडल का बनाया गया अध्यक्ष

युवाओं में अच्छी छवि रखने वाले सागर शर्मा पर कांग्रेस का भरोसा करना आगामी चुनाव के लिए हो सकता है फायदेमंद

सागर शर्मा कांग्रेस के सच्चे सिपाही में से एक,जिस वजह से सर्वसम्मति से मिली इन्हें यह जिम्मेदारी

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर/पटना,04 अगस्त 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव किया है। कांग्रेस ने पहली बार मंडल अध्यक्ष का पद सृजित किया है। यह कदम पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। जिले में कई मंडल बनाए जाना प्रस्तावित है। मंडल अध्यक्ष का पद ब्लॉक अध्यक्ष के नीचे का होगा। इन दोनों पदों के बीच मंडल अध्यक्ष का पद मध्यस्थता के तौर पर रहेगा। मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति से पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय मुद्दों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होने की उम्मीद है। संगठनात्मक बदलावों के साथ-साथ, सूत्रों की माने यो आगामी समय में कांग्रेस जिला स्तर पर एक कंट्रोल रूम भी स्थापित कर सकती है यह कंट्रोल रूम पार्टी की गतिविधियों के समन्वय और निगरानी का केंद्र रहेगा। कांग्रेस ने युवा नेता सागर शर्मा को पटना मण्डल का अध्यक्ष बनाया है युवाओं में अच्छी छवि रखने वाले सागर शर्मा पर कांग्रेस का भरोसा करना आगामी चुनाव के लिए फायदेमंद हो सकता है सागर शर्मा कांग्रेस के सच्चे सिपाही में से है जिस वजह से सर्व संपत्ति से मिली इन्हें यह जिम्मेदारी। जिम्मेदारी मिलने के साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर भी अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। यह युवा मतदाताओं और शहरी क्षेत्रों तक अपनी पहुंच बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा बन सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग पार्टी की नीतियों, कार्यक्रमों और भाजपा सरकार की विफलताओं को जनता तक पहुंचाने के लिए सागर शर्मा उपयुक्त साबित हो सकते हैं।

क्या सभी के सहमति से बने मंडल अध्यक्ष भी हटाया जा सकते हैं?

भाजपा की तर्ज पर कांग्रेस भी मंडल अध्यक्ष बना रही है कांग्रेस अपने आप को मजबूत करने के लिए हर पैंतरा आजमा रही है इस बीच पटना मंडल में मंडल अध्यक्ष का चुनाव शुक्रवार को किया गया जहां पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता सहित तमाम बड़े नेता उपस्थित रहे, सभी के बीच सागर शर्मा का नाम मंडल अध्यक्ष के लिए रखा गया और कोई भी विरोध नहीं हुआ और मंडल अध्यक्ष सागर शर्मा चुन लिया गए, अब उनके मंडल अध्यक्ष चुने जाने के तीन दिन बाद ऐसी सुगबुगाहट हो रही कि उन्हें हटाया जा सकता है क्योंकि उसके लिए अब अलग रणनीति तैयार की जा रही है, जब उन्हें मंडल अध्यक्ष चुना ही नहीं था तो सभी ने सहमति क्यों दी और अब मंडल अध्यक्ष चुने जाने के बाद उन्हें हटाने का षड्यंत्र किसके इशारे पर हो रहा है? क्या कांग्रेस की खींचातानी अभी जारी है? क्या पूर्व विधायक का, लोगों के प्रति आक्रोश अभी भी पनप रहा है क्या ऐसे में अगला विधानसभा फिर लड़ा जाएगा?

सेंट जेवियर स्कूल में लगी यातायात पुलिस की पाठशाला

-संवाददाता-

कोरबा,04 अगस्त 2025 (घटती-घटना)। कोरबा शहर में सुगम,सुरक्षित व सुखद यातायात हेतु वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा-निर्देशन में कोरबा यातायात पुलिस द्वारा सड़को पर यातायात प्रबंधन एवं व्यवस्था का कार्य लगातार किया जा रहा है,साथ ही लोगों में यातायात नियमों के प्रति जनजागृति लाने के लिए, समय-समय पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में सेंट जेवियर स्कूल में 9वी से 12 वी तक के छात्र-छात्राओं के लिए यातायात जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। जहां यातायात नियमों के बारे में जानकारी दी गई। यातायात एएसआई मनोज राठौर ने छात्र-छात्राओ से जीवन मूल्यों, सड़क सुरक्षा, अनुशासन,अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जानकारी साझा की। छात्र-छात्राओं को इंजीनियरिंग, एनफोर्समेंट, एजुकेशन,इमरजेंसी केयर के सम्बंध में विस्तृत जानकारी देते हुए सड़क सुरक्षा का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि यदि आप नियमों का जिम्मेदारी पूर्वक पालन करेंगे तो आप एक अच्छे नागरिक बनेंगे और आप इस तरह अन्य लोगों को भी प्रेरित कर पाएंगे। मेरी आप सभी बच्चों से यही अपेक्षा है कि आप जीवन में मेहनत के बल पर अपने लक्ष्य को हासिल करेंगे। आपको जीवन में यदि सफल होना है तो भरसक प्रयास और लगातार मेहनत करनी होगी। मनोज राठौर ने छात्र-छात्राओ से अपील कि, आप सभी अपने परिवार जनों व अन्य लोगों को भी यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित करें। आपके परिजन दोपहिया वाहन पर घर से निकले तो आप उन्हें हेलमेट पहनने को कहे। यदि चार पहिया वाहन पर सफर कर रहे है तो सीट बेल्ट धारण करने को कहे। जब भी वो नियमो का उल्लंघन करें तो उन्हें टोके। इस दौरान दुर्घनाओं पर विस्तृत जानकारी देते हुए दुर्घनाओं के दुष्परिणामो से रूबरू करवाया गया और कहा कि आप देश का भविष्य है, यदि आपको कोई हानि होती है तो यह तो देश की क्षति है, कई युवा सड़क हादसों में जान गवा देते है। हर साल लाखों युवा सड़क हादसे में अपनी जान गवा देते है। यह स्वयं का कर्तव्य है कि हम नियमो का पालन करें व अन्य लोगो को नियमो का पालन करने के लिए प्रेरित करें। मनोज राठौर ने यातायात व्यवस्था से जुड़े विभिन्न विषयों को प्रेजेंटेशन के माध्यम से समझाया। उन्होंने यातायात संकेत बोर्ड,ट्रैफिक सिग्नल,रोड मार्किंग, सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़े,वाहन चलाते समय रखी जाने वाली सावधानियां,वाहन चालकों द्वारा की जाने वाली गलतियों के बारे में जानकारी दी,लेन अनुशासन का महत्व बताया। इस दौरान उन्होंने छात्र-छात्राओं से यातायात विषय पर सवाल-जवाब किये।

न्यायालय तहसीलदार,अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सतेश्वर शरण सिंह आ विजय शरण सिंह निवासी भिट्ठी कला थाना अम्बिकापुर ने कराया है कि आवेदक के (पत्नी) स्व0 आभा सिंह पति सतेश्वर शरण सिंह की मृत्यु दिनांक 05/12/2023 को स्थान निवास महुआ टिकरा में हुई है।

आवेदक के मृत्यु उपरांत मृत्यु का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण पत्र की आवश्यकता पर यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस में उपस्थित होकर अपना दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद आप कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 29/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

(सील) तहसीलदार अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0.....अ-20(3)/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक विनोद सिन्हा आ0 बालमुकुन्द सिन्हा उम्र लगभग 73 वर्ष निवासी भट्ठी रोड केदारपुर,अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला केदारपुर नगर अम्बिकापुर सीट - 4 स्थित प्लाट नम्बर - 1951 / 83 रकबा 1093 वर्गफीट भूमि को अपने पुत्र अनावेदक सौरभ सिन्हा आ0 विनोद सिन्हा उम्र लगभग 32 वर्ष निवासी भट्ठी रोड केदारपुर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के पक्ष में दान करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के से दिनांक-13/08/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक:-04/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) /सक्षम प्राधिकारी,सूरजपुर,जिला-सूरजपुर

रा0प्र0क्र0 /अ-2/2024-25

ईश्तहार

एतद्द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम - केशवनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती जानकी पाठक पति श्री विनोद कुमार पाठक, जाति ब्राम्हण, निवासी ग्राम विश्रामपुर, तहसील लटोरी, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम केशवनगर, प.ह.नं. 24, रा.नि.मं. केशवनगर, तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा क्रमांक 405/20 रकबा 0.040 हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 14/8/25 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 31/07/2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(सील) विशेष कर्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

सोनहत में विधायक रेणुका सिंह एवं कटगोड़ी में

सनातन गौरव मंच ने निकाली कांवर यात्रा

कटगोड़ी में सनातन गौरव मंच एवं मानस परिवार ने भी शिव गुफा हसदो नदी से जल उठा कर सिद्धेश्वर मंदिर में किया अभिषेक

कांवर यात्रा की में शामिल लोग

विधायक रेणुका सिंह ने मेण्ड्रा हसदो उद्गम स्थल से जल उठा कर सोनहत में भोलेनाथ का किया अभिषेक

दो दो कांवर यात्रा से पूरा सोनहत क्षेत्र हर हर महादेव के नाम से रहा गुंजायमान

कटगोड़ी चौक में थमे गाड़ियों के पहिये

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,04 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

सावन के आखिरी सोमवार पर जलाभिषेक का विशेष महत्व,मिलता है मोक्ष की प्राप्ति,भी होती है सावन के आखिरी सोमवार पर सोनहत के हसदेव नदी के उद्गम स्थल पर स्थित मेण्ड्रा मंदिर में अच्छी खासी भीड़ रही, विधायक रेणुका सिंह ने अपने कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों के साथ कांवर में जल उठा कर कांवर यात्रा निकाली जिसे सोनहत के महादेव मंदिर में जलाभिषेक किया इस दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, भक्त बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक कर किये इसी दौरान भंडारा और प्रसाद का वितरण किया गया साथ ही भक्ति मय भजन का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया विधायक रेणुका सिंह ने कहा कि यह कंवर यात्रा सोनहत क्षेत्र के लोक कल्याण के लिए निकली है विधायक ने क्षेत्र वासियों के सुख समृद्धि और क्षेत्र के विकास कामना भोलेनाथ से किया । कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि राम प्रताप मरावी, संदीप साहू, सहित कई भाजपाई पूर्व से ही तैयारी में लगे रहे वही कार्यक्रम में भी इनका योगदान रहा वही विधायक प्रतिनिधि राम प्रताप ने कहा कि हमारी कोशिस रहेगी कि हर साल यह कांवर यात्रा निकाली जाए।

कटगोड़ी सोनहत में भव्य शिव तांडव की प्रस्तुति

कटगोड़ी क्षेत्र का आयोजन काफी भव्य रहा यहां पर शिव तांडव सहित कई मनमोहक प्रस्तुतियां भी सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से दी गई, कार्यक्रम में कटगोड़ी सहित आसपास के क्षेत्र के लोग उमड़ पड़े वही सोनहत में भी शिव तांडव की प्रस्तुति दी गई।

सिद्धेश्वर महादेव में प्रतिवर्ष निकलेगी कांवर यात्रा:मनोज

सनातन गौरव मंच के संयोजक मनोज साहू ने कहा कि अब प्रतिवर्ष सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में कांवर यात्रा निकाली जाएगी लोक कल्याण के उद्देश्य से भगवान से सभी के सुखमय जीवन की कामना की जाएगी, सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में सुनील मानिकपुरी की शानदार भक्ति गीतों की प्रस्तुति भी दी गई।

दोनों जगह धार्मिक कार्यक्रम लेकिन कार्यकर्ताओ असमंजसता रही चर्चा का विषय

सोनहत एवं कटगोड़ी दोनों जगह धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न हुए लेकिन कई ग्रामो में कार्यकर्ताओं के बीच असमंजसता चर्चा का विषय बनी रही कि किस कार्यक्रम में जाएं, हालांकि सनातन गौरव मंच के कार्यक्रम में अच्छी खासी भीड़ उमड़ी लेकिन दोनों स्थानों पर कार्यकर्ता थोड़े असहज देखे गए।

सिद्धेश्वर महादेव मंदिर

सोनहत में विधायक रेणुका सिंह के साथ कांवर यात्रा

नील कंठ महादेव में मध्यप्रदेश से पहुचे लोग

सोनहत एवं राज्य के अंतिम छोर पर स्थित ग्राम दसेर स्थित नील कंठ महादेव में मध्यप्रदेश प्रदेश से भी लोग पहुचे और पहाड़ चढ़ के भोले बाबा का दर्शन कर जल चढ़ाया,उल्लेखनीय है कि नील कंठ धाम क्षेत्र के सबसे ऊँचाई पर स्थित है यहां पहुचना आसान नही है बावजूद इसके शिव भक्तों ने नीलकंठ महादेव का अभिषेक किया।

जटा शंकर धाम में भी रही भीड़

विधानसभा भरतपुर सोनहत के जटाशंकर धाम में भी भक्तों की भीड़ देखी गई लोगो ने भारी संख्या में पहुच कर भोले बाबा का अभिषेक किया।

सनातन गौरव मंच ने निकाली कावंर यात्रा कटगोड़ी क्षेत्र में गूंजा बोल बम

सावन के आखरी सोमवार पर कटगोड़ी क्षेत्र में भी चारो तरफ हर हर महादेव की गूंज देखी गई, कटगोड़ी के मंदिर में सनातन गौरव मंच के सदस्यों सहित भारी मात्रा में ग्रामीण कांवर यात्रा में शामिल हुए और भोलेनाथ का अभिषेक कर क्षेत्र के खुशहाली की कामना की । कटगोड़ी के कार्यक्रम में सनातन गौरव मंच के संयोजक मानोज साहू की अहम भूमिका देखी गई वही क्षेत्र के लोगो ने मिल कर जल चढ़ाया भोग भंडारे का वितरण भी किया गया। इसी दौरान पुजा करा रहे महाराज ने बताया कि सावन का आखिरी सोमवार बेहद खास होता है, क्योंकि पहला सोमवार धर्म के लिए,दूसरा सोमवार धन के लिए,तीसरा सोमवार कर्म और मोह के लिए और आखिरी सोमवार मोक्ष के लिए होता है. आज के आखिरी सोमवार की पूजा करने से भक्तों के जीवन के सभी दुख कष्ट नष्ट हो जाते हैं,आज भगवान भोलेनाथ अपने भक्तों पर अपार कृपा बरसाते हैं,जिससे भक्तों के जीवन के सभी रुके हुए काम भी पूरे होते हैं. आम लोगों के लिए यह आखिरी सोमवार है।

कटगोड़ी चौक रहा घण्टे भर जाम

कांवर यात्रा के दौरान भीड़ इतनी ज्यादा उमड़ गई कि कटगोड़ी चौक लगभग घण्टे भर जाम रहा सड़क के दोनों साइड वाहनों की लंबी कतारें लग गई, कटगोड़ी चौक के पास ही शिव तांडव की प्रस्तुति दी गई जिसमें पूरे कटगोड़ी ग्राम के लोग झूम उठे,और पूरे कार्यक्रम को खूब सराहा, क्षेत्र में पहली बार किसी कार्यक्रम में इतनी भीड़ उमड़ी थी कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में लगातार चर्चा होती रही,कार्यक्रम में सनातन गौरव मंच के मनोज साहू,रुद्र साहू राजू साहू,दीपक जयसवाल,भीम राजवाड़े मण्डल अध्यक्ष राजा राम राजवाड़े,रमेश तिवारी,सुरेश राजवाड़े,जय प्रकाश राजवाड़े,समय लाल कमलवंशी,दिलीप राजवाड़े,राजेश साहू मानस परिवार समिति से नीलेश साहू, प्रदीप साहू सहित मानस परिवार के लोग शामिल रहे।

जिला पंचायत अध्यक्ष भी हुए शामिल

कटगोड़ी कांवर यात्रा में जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा,जिला पंचायत सदस्य शिव कुमारी जनपद अध्यक्ष आशा सोनपाकर जनपद सदस्य कमलकांत,अलेश्वरी गौतम,सोनिया राजवाड़े,सहित कई जनपद सदस्य शामिल रहे।

पुलिस बल रहा तैनात

सोनहत एवं कटगोड़ी में कांवर यात्रा के आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए विभिन्न चौक-चौराहों पर पुलिस बल तैनात देखा गया।

9 अगस्त को समापन होगा सावन मास

4 अगस्त को सावन का अंतिम और चौथा सोमवार रहा. इसी के साथ सावन का पावन महीना अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है. 9 अगस्त को रक्षाबंधन के साथ ही श्रावण मास का समापन होगा और भाद्रपद मास का आरंभ हो जाएगा, चौथा व अंतिम सावन सोमवार 4 अगस्त 2025 पूजा का ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 20 मिनट से 5 बजकर 20 मिनट तक रहा इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग,ब्रह्म योग और इंद्र योग का संयोग रहा जो इसे अत्यंत शुभ बनाता है. इन सभी योगों में भगवान शिव का जलाभिषेक किया गया।

पंडितों ने बताया था जलाभिषेक का शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग अनुसार शिवलिंग पर जल चढ़ाने का शुभ समय ब्रह्म मुहूर्त प्रातः 04:20 से 05:02 रहा वहीं अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12:00 बजे से दोपहर 12:54 तक रहा। राहुकाल में भी शिव जी की पूजा-अर्चना की जाती है। इस दिन अमृत काल शाम 05:47 मिनट से लेकर शाम 07:34 मिनट तक रहा।

संक्षिप्त खेल की खबरें

वनडे सीरीज से पहले टीम को लगा बड़ा झटका

11 शतक लगाने वाला फखर जमान हुआ बाहर

करांची,04 अगस्त 2025। पाकिस्तान की टीम इन दिनों वेस्टइंडीज दौरे पर है। दोनों टीमों के बीच पहले टी-20 सीरीज खेली गई, जिसे पाकिस्तान ने 2-1 से अपने नाम किया। अब 8 अगस्त से वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज से पहले पाकिस्तान की टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार बल्लेबाज फखर जमान जो वनडे फॉर्मेट में 11 शतक लगा चुके हैं वह हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से सीरीज से बाहर हो गए हैं।

क्वार्टरफाइनल में पहुंचे बेन शेल्टन

टोरंटो,04 अगस्त 2025। बेन शेल्टन ने कैनेडियन ओपन के राउंड ऑफ 16 में फ्लावियो कोबोली को 6-4, 4-6, 7-6(1) से हराकर अपने टूर-स्तरीय करियर की 100वीं जीत दर्ज की। इसी के साथ उन्होंने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब अगले दौर में शेल्टन का सामना

ऑस्ट्रेलिया के नौवें वरीय एलेक्स डी मिनौर से होगा, जिन्होंने अमेरिका के सातवें वरीय फ्रांसेस टियाफो को 6-2, 4-6, 6-4 से हराया। अपने टूर-स्तर के करियर में अब 100-69 का रिकॉर्ड रखते हुए, शेल्टन 21वीं सदी में जन्मे आठवें और 100 जीत का आंकड़ा छूने वाले नौवें सक्रिय अमेरिकी खिलाड़ी हैं। शेल्टन लगातार तीसरे टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले वह विंबलडन में क्वार्टर फाइनल और पिछले हफ्ते वॉशिंगटन डीसी में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। एटीपी स्टैट्स के मुताबिक, इस साल हार्ड कोर्ट पर उनका रिकॉर्ड 16-7 का है, जिसमें ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल तक का सफर भी है। पहले सेट में अपनी धाक जमाने के बाद, शेल्टन को दूसरे और तीसरे सेट में परेशानी का सामना करना पड़ा। इटैलियन खिलाड़ी ने अपनी सर्विस का अच्छा बचाव करते हुए अमेरिकी खिलाड़ी की मजबूत सर्विस पर दबाव बनाया। कोबोली ने दूसरा सेट जीतने के बाद तीसरे सेट में 5-4 की बढ़त पर मैच के लिए सर्विस की, लेकिन वहीं से चौथे वरीय शेल्टन ने जबरदस्त वापसी की। उन्होंने 12वें गेम में मैच के लिए एक और ब्रेक का मौका बनाया। इसके बाद टाईब्रेक में कोबोली के सभी सर्विस प्वाइंट जीत लिए।

एशिया कप 2025 में कैसी होगी भारतीय क्रिकेट टीम

डीएसपी सिराज का क्या होगा?

नई दिल्ली,04 अगस्त 2025। भारतीय टीम के इंग्लैंड सीरीज के बाद सीधे एशिया कप 2025 में उतरने की उम्मीद है। बांग्लादेश से शेड्यूल सीरीज एक साल के लिए टल गई है और फिलहाल कोई नई सीरीज का ऐलान नहीं हुआ है। टेस्ट सीरीज में नहीं खेलने वाले तमाम युवा और विस्फोटक नाम एशिया कप 2025 में दिखाई देंगे। टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा तो टीम इंडिया की कमान सूर्यकुमार यादव के हाथों में होगी, जबकि अभिषेक शर्मा,रिंकू सिंह,हार्दिक पंड्या जैसे खिलाड़ी भी लंबे समय बाद मैदान पर जलवा बिखेरते नजर आएंगे। टीम इंडिया का सिलेक्शन करने के लिए जब चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर की टीम, हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव बैठेंगे तो उस वक्त काफी माथापच्ची करनी होगी। केएल राहुल कई बार कहा चुके हैं कि उन्हें टी20 फॉर्मेट खेलना है और उन्होंने खुद को साबित भी किया है, जबकि शुभमन गिल भी जबरदस्त फॉर्म में हैं और टीम में आने के दावेदार भी हैं।

सूर्यकुमार यादव (कप्तान): टी20 इंटरनेशनल में सूर्यकुमार यादव की विस्फोटक बल्लेबाजी को देखते हुए उन्हें एक्स फैक्टर मान सकते हैं। कप्तान के तौर पर उनसे आक्रामक रणनीति की उम्मीद होगी।

संजू सैमसन (विकेटकीपर) और ऋषभ पंत/ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर): पिछली टी20 सीरीज में संजू सैमसन विकेटकीपर थे, जबकि अब भारत के पास ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल भी अच्छे विकल्प हैं। हालांकि, पंत फिलहाल इंग्लैंड में चोटिल हो गए थे तो उनका फिटनेस के आधार पर सिलेक्शन होगा।

हार्दिक पंड्या: ऑलराउंडर के तौर पर उनका टीम में होना संतुलन प्रदान करता है। खासकर उनकी तेज गेंदबाजी और निचले क्रम पर आखिरी के ओवरों में विस्फोटक बैटिंग मैच का रुख पलट सकती है। हालांकि,पेस ऑलराउंडर के तौर पर शिवम पांडे भी एक विकल्प हैं।

रिंकू सिंह और तिलक वर्मा: इन युवा खिलाड़ियों ने अपनी फिनिशिंग क्षमताओं और मध्यक्रम में स्थिरता से काफी प्रभावित किया है। ये दोनों टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। ये दोनों ही बल्लेबाज बाएं हाथ से बैटिंग करते हैं।

अक्षर पटेल (उपकप्तान): एक ऑलराउंडर के रूप में अक्षर पटेल टीम को गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में गहराई देते हैं। उपकप्तानी का जिम्मा उन्हें देना उनके अनुभव और प्रदर्शन का सम्मान है। टी20 में उनकी जगह हार्दिक पंड्या इस भूमिका थे।

अभिषेक शर्मा/शुभमन गिल/ केएल राहुल/ यशस्वी जायसवाल: आईपीएल में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद अभिषेक शर्मा टी20 रैंकिंग में भी नंबर वन हैं। शुभमन गिल, केएल राहुल के अलावा यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन ओपनिंग के लिए बेहतर विकल्प हैं।

अर्शदीप सिंह,मोहम्मद शमी/मोहम्मद सिराज/ प्रसिद्ध कृष्णा,वरुण चक्रवर्ती, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा/जसप्रीत बुमराह: शमी, सिराज और बुमराह जैसे अनुभवी गेंदबाज टीम को मजबूती देंगे, हालांकि देखने वाली बात यह है कि इनमें से किसे मौका मिलता है। अर्शदीप, प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा जैसे युवा तेज गेंदबाज भी अच्छे विकल्प हैं। स्पिन में वरुण चक्रवर्ती, वॉशिंगटन सुंदर और रवि बिश्नोई विविधता प्रदान करते हैं।

एशिया कप 2025 के लिए संभावित भारतीय क्रिकेट टीम

अभिषेक शर्मा
शुभमन गिल/केएल राहुल
यशस्वी जायसवाल
संजू सैमसन (विकेटकीपर)
तिलक वर्मा
सूर्या (कप्तान)
हार्दिक पंड्या
रिंकू सिंह
नीतीश कुमार रेड्डी
अक्षर अक्षर (उपकप्तान)
अर्शदीप सिंह
मोहम्मद शमी/ मोहम्मद सिराज/प्रसिद्ध कृष्णा
वरुण चक्रवर्ती
वॉशिंगटन सुंदर
रवि बिश्नोई
ऋषभ पंत/ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर)
हर्षित राणा/जसप्रीत बुमराह

पाकिस्तान ने तीसरे टी-20 मैच में वेस्टइंडीज को हराया,2-1 से जीती सीरीज

नई दिल्ली,04 अगस्त 2025। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने तीसरे और आखिरी टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम को 13 रन से हराते हुए सीरीज को 2-1 से अपने नाम किया। फ्लोरिडा में हुए मैच में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर के बाद 189/4 का स्कोर बनाया। जवाब में मेजबान टीम एलिक एथानाजे और शेरफेन रदरफोर्ड के अर्धशतकों के बावजूद 176/6 का स्कोर ही बना सकी। आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान (74) और सैम अयूब (66) ने अर्धशतक लगाए और पहले विकेट के लिए 138 रन की साझेदारी की। फरहान और अयूब के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका और इसके बावजूद मेहमान टीम ने अच्छा स्कोर

बनाया। जवाब में कैरेबियाई टीम से ज्वेल एंड्रयू (24) के जल्दी आउट होने के बाद एथानाजे और रदरफोर्ड ने अर्धशतक लगाकर संघर्ष किया, लेकिन जीत नहीं दिला सके।पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का तीसरा अर्धशतक लगाया। वेस्टइंडीज के खिलाफ उनका पहला अर्धशतक रहा। वह 53 गेंदों में 3 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 74 रन बनाकर आउट हुए। यह उनका सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर भी है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अब तक 15 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 21.00 की औसत और 127.01 की स्ट्राइक रेट के साथ 315 रन बनाए हैं।सैम अयूब ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना दूसरा अर्धशतक लगाया। उन्होंने 49 गेंदों में 4 चौकों और 2 छक्के की मदद से 66 रन बनाए। अच्छी बल्लेबाजी कर रहे अयूब ऑलराउंडर जेसन होल्डर की गेंद पर आउट हुए। उनके नाम अब 36 मैचों की 34 पारियों में 22.0 की औसत और 137.15 की स्ट्राइक रेट के साथ 705 रन बनाए। वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 पारियों में 135.41 की स्ट्राइक रेट से 130 रन बनाए। चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए एलिक एथानाजे ने अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला अर्धशतक 31 गेंदों में पूरा किया। उन्होंने 40 गेंदों पर 60 रन बनाए। अपनी इस अर्धशतकीय पारी के दौरान उन्होंने 8 चौके और 1 छक्का लगाया। वह सैम अयूब की गेंद पर खुशदिल शाह को कैच दे बैठे। एथानाजे ने अपने युवा टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर में अब तक 6 मैचों में 130.47 की स्ट्राइक रेट के साथ 137 रन बनाए।

शेरफेन रदरफोर्ड ने अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का तीसरा और पाकिस्तान के खिलाफ पहला अर्धशतक लगाया। वह 35 गेंदों में 4 चौकों और 3 छक्के की मदद से 51 रन बनाकर आउट हुए।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए हरमनप्रीत की अगुवाई वाली भारतीय टीम का ऐलान

नई दिल्ली,04 अगस्त 2025। हॉकी इंडिया ने सोमवार को 15-21 अगस्त तक पर्थ में होने वाले चार मैचों के ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए 24 सदस्यीय पुरुष टीम की घोषणा की। यह दौरा 29 अगस्त से बिहार के राजगीर में होने वाले एशिया कप से पहले एक अनुभवपूर्ण दौरा होगा,जो विश्व कप क्वालीफायर है। शीर्ष ड्रैगफ्लिकर और डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम 8 अगस्त को बेंगलुरु से ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होगी। इस 24 सदस्यीय टीम में कृष्ण पाठक और सूरज करकेरा गोलकीपर की भूमिका में हैं। हरमनप्रीत के साथ टीम में डिफेंडर के रूप में सुमित,जरमनप्रीत सिंह, संजय,अमित रोहिदास,नीलम संजीप जेस,जुगराज सिंह शामिल हैं, जबकि कर्नाटक के पूवन्ना सीबी टीम में एक नए चेहरे हैं।

प्रतिभाशाली युवा मिडफील्डर राजिंदर सिंह को मिडफील्डर के रूप में टीम में शामिल किया गया है। राजिंदर सिंह की तुलना पूर्व भारतीय कप्तान सरदार सिंह से की जाती है। राजिंदर सिंह के साथ राज कुमार पाल,हार्दिक सिंह,मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद,रबीचंद्र सिंह मोइरंगथेम और विष्णु कांत सिंह भी हैं। मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा,अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह,सेल्वम कार्ति और आदित्य लालगे फॉरवर्ड के रूप में टीम में शामिल होंगे।

ओसाका ने क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

कीज़ ने मुकाबले में संघर्ष किया

कनाडा,04 अगस्त 2025। ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज़ ने करोलिना मुचोवा पर तीन सेटों में जीत हासिल करते हुए दो मैच पॉइंट बचाए और डब्ल्यूटीए कैनेडियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया,जबकि पूर्व विश्व नंबर एक नाओमी ओसाका ने अंतिम आठ में प्रवेश किया। कीज़ ने तीसरे सेट के 10वें गेम में अपनी सर्विस पर दो मैच पॉइंट बचाए, पहले गेम में फोरहैंड पर स्ट्राइक किया और दूसरे गेम से बच निकलीं क्योंकि चेक गणराज्य की मुचोवा की सर्विस रिटर्न पर चूक हुई। अमेरिकी खिलाड़ी ने 4-6, 6-3, 7-5 से जीत हासिल की,जो इस सीज़न की उनकी तीसरी जीत थी जिसमें एक मैच पॉइंट बचाना भी शामिल था। कीज़ ने मॉन्ट्रियल में दर्शकों से कहा, मैं यह जीत पाकर बहुत खुश हूँ। पहला सेट हारने और मैच पॉइंट से पिछड़ने के बाद भी, यह समझ पाना हमेशा एक शानदार दिन होता है। ओसाका को किसी भी शानदार प्रदर्शन की ज़रूरत नहीं पड़ी क्योंकि उन्होंने अनास्तासिया सेवास्तोवा को सिर्फ़ 49 मिनट में 6-1, 6-0 से हरा दिया।

अनंत पंघाल ने विश्व चैंपियनशिप ट्रायल्स में आसानी से जीत हासिल की

नई दिल्ली,04 अगस्त 2025। महिला पहलवान अंतिम पंघाल ने विश्व चैंपियनशिप के ट्रायल्स में बिना किसी परेशानी के 53 किग्रा भार वर्ग में भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की कर ली, जबकि वैष्णवी पाटिल (65 किग्रा) और मनीषा भानवाला (62 किग्रा) ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वालीफाई कर लिया। 20 साल की अंतिम ने सीनियर विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीते हैं। उन्होंने बिना एक भी अंक गंवाए मध्य प्रदेश की पूजा और गुजरात की हिनाबेन को हराया और विजयी रहीं। अंतिम ने 2022 में देश की पहली अंडर-20 विश्व चैंपियन बनकर सुर्खियां बटोरीं और 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए भी क्वालीफाई किया। लेकिन ओलंपिक में वह विवादों में घिर गईं। पेरिस में मैट पर उनका प्रदर्शन खराब रहा और उन्होंने अपने एक्रिडिटेशन कार्ड पर अपनी बहन को खेल गांव भेजकर भी बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने अनुशासनात्मक कार्रवाई पर विचार किया, लेकिन ऐसा नहीं किया।

21 वीं सदी में सबसे कम पारियों में 10 शतक लगाने वाले बल्लेबाज

नई दिल्ली,04 अगस्त 2025। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ ओवल टेस्ट की दूसरी पारी में शतक लगाया। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में यह उनका दूसरा शतक रहा। इसके साथ-साथ यह उनके टेस्ट करियर का कुल 10वां शतक रहा। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में अब तक प्रभावित किया है। इस बीच 21 वीं सदी में सबसे कम पारियों में 10 शतक

लगाने वाले बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं।हैरी ब्रूक ने अपने 10 टेस्ट शतक पूरे करने के लिए 50 पारियों का सहारा लिया। ब्रूक ने अपना पहला टेस्ट मैच दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के खिलाफ साल 2022 में खेला था। उन्होंने 30 टेस्ट खेले हैं और इसकी 50 पारियों में लगभग 60 की औसत से 2,800 से ज्यादा रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 10 शतक के अलावा 13 अर्धशतक भी निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 317 रन है।

दृश्यम 3 में तब्बू और अक्षय खन्ना फिर खाकी वर्दी में दिखाएंगे दम

अजय देवगन को पिछली बार फिल्म रेड 2 में देखा गया था,जो बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी। आने वाले दिनों में वह एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगे। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक दृश्यम 3 भी है। अजय तो पहले ही फिल्म के तीसरे भाग

पर अपनी मोहर लगा चुके हैं और पिछले कुछ समय से वह इसी फिल्म की तैयारी में लगे हुए हैं। अब इससे जुड़ीं कुछ नई जानकारियां बाहर आई हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, दृश्यम और दृश्यम 2 की जबरदस्त सफलता के बाद अब एक बार फिर खाकी वर्दी में अपना दमखम दिखाएंगे। निर्माता-निर्देशक अभिषेक पाठक ने हाल ही में अक्षय खन्ना और तब्बू से मुलाकात की और उनके साथ दृश्यम 3 पर चर्चा की। दोनों कलाकार फिल्म की पटकथा की से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने इसके लिए हामी भरने में देर नहीं लगाई। जल्द ही अक्षय और तब्बू ये फिल्म भी साइन कर लेंगे।सूत्र ने बताया कि काफी हद तक संभव है कि दृश्यम 3 इस फ्रेंचाइजी की आखिरी फिल्म होगी। इसकी रिलीज के साथ ही इस क्राइम थ्रिलर फिल्म सीरीज का सफर खत्म हो जाएगा। यह अजय, तब्बू और अक्षय इन तीनों कलाकारों के किरदारों के इर्द-गिर्द घूमेगी। फिल्म की कहानी वहीं से शुरू होगी, जहां दूसरा भाग खत्म हुआ था। ऐसे में पूरी उम्मीद है कि अभिनेत्री श्रिया सरन भी दृश्यम की दुनिया में वापसी करेंगी।

द राजा साहब की रिलीज डेट बदली

जब फिल्म रिलीज़ की बात आती है, तो अक्सर देरी होती रहती है और इस सूची में शामिल होने वाली नई फिल्म प्रभास की बहुप्रतीक्षित फिल्म द राजा साहब है।मारुति द्वारा निर्देशित यह हॉरर-कॉमेडी इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक रही है। प्रशंसक प्रभास को उनकी कॉमिक जड़ों की ओर लौटते देखने के लिए उत्साहित हैं, एक ऐसी शैली जिसमें उन्होंने अपने करियर के शुरुआती दौर में महारत हासिल की थी। हॉरर एंगल ने इस चर्चा को और बढ़ा दिया है, और उम्मीदें आसमान छू रही हैं। हालांकि निर्माण कार्य लगातार आगे बढ़ रहा था और शुरुआती रिलीज़ की तारीख आधिकारिक तौर पर 5 दिसंबर, 2025 तय की गई थी, लेकिन अब उद्योग जगत में ताज़ा चर्चा संक्रांति 2026 तक संभावित स्थगन की ओर इशारा कर रही है। हालाँकि निर्माताओं ने बदलाव की पुष्टि नहीं की है, लेकिन खबरों ने प्रशंसकों और व्यापार जगत दोनों में उत्सुकता जगा दी है। एमएस टीचर्स रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रभास ने फिल्म को बिल्कुल वैसा ही बनाने के लिए कुछ प्रमुख दृश्यों को दोबारा शूट करने का अनुरोध किया है जैसा उन्होंने सोचा था। अभिनेता ने कथित तौर पर इन रीशूट के लिए अतिरिक्त तारीखें आवंटित की हैं, जो इस फिल्म को यादगार बनाने के उनके समर्पण को दर्शाता है।अगर संक्रांति पर रिलीज़ की पुष्टि हो जाती है, तो यह फिल्म के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है, क्योंकि यह छुट्टियों के दौरान बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर सकती है।

अनुपमा परमेश्वरन ने जानकी के लिए जताया आभार, बोलीं-इतना प्यार और अपनापन मिलने की उम्मीद नहीं थी

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री की फेमस अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन की फिल्म जानकी वी बनाम स्टेट ऑफ केरल हाल ही में रिलीज हुई थी। दर्शकों ने फिल्म में उनकी एक्टिंग की खूब प्रशंसा की, इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए अभिनेत्री ने फैंस के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें इतना प्यार और अपनापन मिलने की उम्मीद नहीं थी।अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के कुछ सीन की तस्वीरें पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, जानकी फिल्म रिलीज हुई और मैं बस आप सबका धन्यवाद कहना चाहती हूं। कुछ समय बाद मलयालम सिनेमा में लौटने पर, मुझे इतना प्यार और अपनापन मिलेगा, ये उम्मीद नहीं थी। आप सबका मेरे किरदार के लिए जो प्यार है, उसने मेरे दिल को छू लिया।अभिनेत्री ने बताया कि वह दर्शकों द्वारा लिखे गए सभी प्यार भरे मैसेज,

रिव्यू और बातें पढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि जानकी के बारे में हर एक शब्द पढना, जिससे पता चलता है कि दर्शकों को कैसा महसूस हुआ, उनके लिए बहुत खास है। उन्होंने कहा, धन्यवाद कि आपने जानकी को समझा और उसके जरिए मुझे भी देखा।साथ ही अभिनेत्री ने अपने निर्देशक प्रवीन नारायणन का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने उन पर जानकी का किरदार निभाने का भरोसा किया और उन्हें पूरी तरह से उस किरदार में जीने का मौका दिया।अभिनेत्री ने कहा, यह सफर मेरे लिए बहुत खास रहा है और इसे मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी।उन्होंने आगे कहा, आने वाले समय में भी कई ऐसी कहानियां, किरदार और जुड़ाव हों। मैं प्यार के साथ आभार महसूस करती हूं।बता दें, फिल्म जानकी वी बनाम स्टेट ऑफ केरल 17 जुलाई 2025 को रिलीज हुई थी। यह एक अपराध और कोर्टरूम ड्रामा है, जिसे प्रवीण नारायण ने डायरेक्ट किया है। वहीं इसका प्रोडक्शन फणिंद्र कुमार ने किया है और सेथुरामन नायर कंकॉल को-प्रोड्यूसर हैं।फिल्म की सिनेमैटोग्राफी रेनादिव ने की है और एडिटिंग समजित मोहम्मद ने। अनुपमा परमेश्वरन के अलावा इस फिल्म में सुरेश गोपी, दिव्या पिल्लई, श्रुती रामचंद्रन, अस्कार अली, माधव सुरेश गोपी और बैजू सन्दोष जैसे स्टार्स अहम भूमिका में हैं।

स्वास्थ्य विभाग का काम सिर्फ इलाज करना नहीं है,बल्कि बीमारी से पहले उसकी रोकथाम करना भी है:स्वास्थ्य मंत्री

स्वास्थ्य मंत्री ने चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला को दिखाया हरी झंडी

» राज्य में तीन दिन तक चलेगा 'बने खाबो- बने रहिबो' अभियान, मिलावट के खिलाफ जन-जागरूकता की बड़ी पहल

रायपुर,04 अगस्त 2025। छत्तीसगढ़ में खाद्य सुरक्षा और जनस्वास्थ्य को लेकर एक ऐतिहासिक पहल के तहत आज से तीन दिवसीय विशेष अभियान **बने खाबो-बने रहिबो** (अच्छा खाओ,स्वस्थ रहो) की शुरुआत हुई। यह अभियान 4 से 6 अगस्त तक चलेगा,जिसका संचालन खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग और लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा किया जा रहा है।

अभियान का शुभारंभ स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला को हरी झंडी दिखाकर किया गया। यह चलित प्रयोगशाला राज्य के 33 जिलों में घूम-घूम कर आमजन को गुणवत्ता पूर्ण भोजन और मिलावटी भोजन के प्रति लोगों को जागरूक करेगी तथा खाद्य सामग्री की मौके पर जांच करेगी, जिससे मिलावट के मामलों की तत्काल पहचान संभव होगी। स्वास्थ्य मंत्री ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस अभियान में सहभागी बनें,मिलावट से सतर्क रहें और स्वच्छ, सुरक्षित भोजन अपनाकर एक स्वस्थ छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में सहयोग दें।

हमारा लक्ष्य प्रदेश के हर नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण, शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री पहुँचे

स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश के हर नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण,शुद्ध और सुरक्षित शुरू किए गए 'मिलावट के खिलाफ अभियान' को आगे बढ़ाते हुए छत्तीसगढ़ में 'बने खाबो, बने रहिबो' अभियान की नींव रखी गयी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खाद्य परीक्षण की व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने हेतु खाद्य सामग्री पहुँचे। स्वास्थ्य विभाग का काम सिर्फ इलाज करना नहीं है,बल्कि बीमारी से पहले उसकी रोकथाम करना भी है यही प्रिवेंशन ऑफ डिजीज है।

उन्होंने कहा कि हमारे खानपान से संबंधित बीमारियाँ जैसे डायबिटीज़,थायरॉयड, फैटी लिवर,हाई कोलेस्ट्रॉल और हृदय रोग आज बहुत आम हो चुके हैं। इनसे बचने के लिए जन-जागरूकता, स्वच्छता और मिलावट रहित भोजन बेहद ज़रूरी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा

मिलावट करने वाले लोगों पर कैसे कार्रवाई की जा सके

स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री अमित कटारिया ने इस मौके पर कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यह है कि लोगों को पता चले की हमें कैसा खाना खाना है और कैसे अपने शरीर को स्वस्थ रहना है। हम अपने भोजन को अपने जीवन में कैसे सही तरीके से उपयोग में लाएं ताकि हमारा शरीर स्वस्थ रहे और हमें किसी भी प्रकार की बीमारी ना हो, इन सबकेलिए हमें प्रयास करते रहना है। उन्होंने कहा कि हमें आम जनता को जागरूक करना है ताकि खाने में मिलावट को कैसे पहचाने और कैसे इस अभियान में हिस्सा लेकर शासन की मदद करें ताकि मिलावट करने वाले लोगों पर कार्रवाई भी की जा सके और लोग अपने स्वास्थ्य को लेकर जागरूक भी रहें। इस अभियान के तहत स्ट्रीट फूड विक्रेताओं, रेस्टोरेंट्स, होटल्स एवं खाद्य सेवा प्रदायकों द्वारा उपयोग किए जा रहे खाद्य पदार्थों की जांच की जा रही है।

एक अत्याधुनिक राज्य स्तरीय खाद्य प्रयोगशाला की स्थापना की जा रही है, जिससे छत्तीसगढ़ को खाद्य परीक्षण के लिए अन्य राज्यों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला से प्रदेश की जनता में खाद्य सामग्रियों को लेकर जागरूकता बढ़ेगी

इस मौके पर सीजीएमएससी के अध्यक्ष अमित म्हस्के ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह एक बहुत ही महत्वकांक्षी अभियान है जिसकी शुरूआत आज से की जा रही है। चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से प्रदेश की जनता में खाद्य सामग्रियों को लेकर जागरूकता बढ़ेगी तथा मिलावट करने वालों की असलियत भी सामने आएगी। उन्होंने बताया कि इस चलित प्रयोगशाला में एक लैब टेक्नीशियन तथा एक लैब असिस्टेंट की उपस्थिति रहेगी जिससे वो मौके पर ही खाद्य सामग्रियों का नमूना एकत्र कर उसकी जांच कर सकेंगे और आवश्यकता पड़ने पर खाद्य एवं औषधि विभाग की टीम ऐसे मिलावट करने वालों पर कार्रवाई भी करेगी।

छत्तीसगढ़ में धर्म-परिवर्तन अब आसान नहीं होगी

» 60 दिन पहले देनी होगी जानकारी

» धार्मिक स्वतंत्रता कानून बनाने जा रही है छत्तीसगढ़ सरकार

रायपुर,04 अगस्त 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ में अब किसी एक धर्म से दूसरे धर्म में जाना आसान नहीं होगा। पूरी प्रक्रिया और नियम कानून का पालन करने के बाद धर्म बदला जा सकेगा। छत्तीसगढ़ सरकार धार्मिक स्वतंत्रता कानून बनाने जा रही है। नियमों का उल्लंघन या जबरिया धर्म परिवर्तन कराने पर जेल का प्रावधान होगा।राज्य सरकार में धर्मांतरण के मुद्दे पर ईसाई समुदाय और हिंदू संगठनों के बीच लगातार बढ़ते विवाद के बीच धार्मिक स्वतंत्रता संशोधन विधेयक बना रही है। विधेयक को विधानसभा सत्र के दौरान सार्वजनिक कर पारित किया जाएगा। धर्म परिवर्तन से 60 दिन पहले जानकारी देनी होगी। सरकार ने धार्मिक स्वतंत्रता कानून बनाने के लिए ओडिशा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत 9 राज्यों के अधिनियम की स्टडी की है। गृहमंत्री विजय शर्मा ने 52 मीटिंग लेकर मसौदा तैयार करवाया है। इसलिए कानून की जरूरत छत्तीसगढ़ के आदिवासी क्षेत्रों में खासकर बस्तर,जशपुर,रायगढ़ क्षेत्र में बड़े पैमाने पर आदिवासियों को ईसाई धर्म में लिया जा रहा है। यह विवाद का विषय बना हुआ है। बस्तर के नारायणपुर क्षेत्र में तो यह गुटीय संघर्ष में तब्दील हो चुका है। आदिवासी और धर्म परिवर्तन करने वाले आदिवासियों के बीच कई बार गंभीर विवाद हो चुका है।

छत्तीसगढ़ में छात्र संघ चुनाव लटका

» मेरिट के आधार पर मनोनयन...

» एनएसयूआई के पदाधिकारी शीघ्र मिलेगे राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री से चुनाव कराने की मांग को लेकर

» उच्च शिक्षा संचालनालय ने लिंगदोह कमेटी के आधार पर चुनाव नहीं कराने का लिया निर्णय...

रायपुर,04 अगस्त 2025(ए)। राज्य में एक बार फिर विवि एवं महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव को लेकर सत्तारूढ़ दल के छात्र संगठन आमने सामने हो गये हैं। जहां उच्च शिक्षा संचालनालय ने छात्र संघ चुनाव नहीं कराने का निर्णय एक समिति के आधार पर दिया है। वहीं कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई ने इसका विरोध करते हुए अब राज्यपाल से मिलने का निर्णय लिया है। जिसके चलते छात्रसंघ चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है।

उच्च शिक्षा संचालनालय ने विवि एवं महाविवि स्तर पर छात्रसंघ चुनाव पर रोक लगा दी है। आवश्यकता पडने पर छात्रों के प्राप्त अंकों एवं संवर्ग के आधार पर मनोनयन किया जाएगा। अधिकांश विवि के कुलपतियों ने छात्र संघ चुनाव कराने का विरोध किया है।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

अंतिम सावन सोमवार को शिवालयों में लगी भक्तों की कतार

रायपुर,04 अगस्त 2025(ए)। अंतिम सावन सोमवार के अवसर पर रायपुर सहित पूरे प्रदेश में सावन सोमवार का उत्सव श्रद्धालुओं द्वारा विधिवत पूजापाठ के साथ संपन्न किया गया। रायपुर के हठकेश्वरनाथ महादेव, खारूनेश्वर महादेव, नीलकंठेश्वर,बूढ़ेश्वर महादेव सहित सभी शिवालयों में भक्तों ने सुबह से जलाभिषेक एवं दुग्धाभिषेक कर भोलेनाथ को बेलपतरी, धतुरा, मंदार एवं दही, दूध का भोग लगाया।ज्ञातव्य है कि रविवार को शहर में कांवरियों की यात्रा से पूरा शहर भक्तिभाव में डूबा रहा। रायपुर पश्चिम के विधायक राजेश मूणत के नेतृत्व में महापौर मीनल दुबे, सुंदर नगर वार्ड की पार्षद सरिता दुबे सहित कांवरियों ने महादेवघाट पहुंचकर भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। आज सोमवार को महादेव के दर्शन के लिए कांवरियों की भीड़ से पूरा शहर भक्तिभाव से भक्तिमय हो गया है। सावन सोमवार अंतिम होने के कारण प्रदेश भर में शिवालयों में यज्ञ आदि का आयोजन भी किया गया है।

3 ड्रग्स सप्लायर अरेस्ट, 1 करोड़ का माल जब्त

रायपुर,04 अगस्त 2025(ए)। रायपुर में एक युवती के ड्रग्स लेने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसके बाद एक्शन में आई टिकरापारा पुलिस और एसीसीयू की टीम ने रविवार को 3 ड्रग्स सप्लायर को गिरफ्तार किया है। आरोपी दिल्ली-पंजाब से चिट्टा लाकर रायपुर में बेच रहे थे। वो रायपुर के कई ठिकानों को अपना हब बना रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों में लवजीत सिंग उर्फ बंटी, सुवित श्रीवास्तव और अश्वनी चंद्रवंशी शामिल है। उनके पास से 412 ग्राम 87 मिलीग्राम चिट्टा, 3 मोबाइल और क्रेटा कार बरामद किया है। आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। आरोपियों से 1 करोड़ का ड्रग्स जब्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ के 3 कोल ब्लॉक्स की नीलामी

1,400 लाख टन से ज्यादा कोयला भंडार मौजूद

रायपुर,04 अगस्त 2025(ए)। कोयला मंत्रालय ने कमर्शियल माइनिंग के 12वें दौर में छत्तीसगढ़ के 3 कोल ब्लॉक्स की नीलामी कर दी है, जिससे राज्य की ऊर्जा उत्पादन क्षमता और राजस्व को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। कोरबा जिले के रजगामार डिपसाइड देवनारा और रजगामार डिपसाइड साउथ आफ फुलकडीह तथा रायगढ़ जिले के एक कोल ब्लॉक की नीलामी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इन तीनों कोल ब्लॉक्स में कुल 1401.61 लाख टन कोयला भंडार मौजूद है। कोरबा के देवनारा क्षेत्र में अकेले 784.64 लाख टन, जबकि फुलकडीह क्षेत्र में 616.97 लाख टन कोयले का अनुमानित भंडार है। इस नीलामी में टीएमसी मिनरल रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड ने रजगामार डिपसाइड देवनारा माइंस का अधिग्रहण किया है, जबकि मिवान स्टील्स लिमिटेड को फुलकडीह माइंस मिली है। इन खदानों से आने वाले वर्षों में 52.5 लाख टन वार्षिक उत्पादन क्षमता की उम्मीद की जा रही है।

कोल मंत्रालय के अनुसार, 7 ब्लॉक्स की इस नीलामी से देश को लगभग 719.90 करोड़ रुपए वार्षिक राजस्व मिलने का अनुमान है। इनमें से अधिकतर ब्लॉक कोरबा और झारखंड जैसे कोयला समृद्ध राज्यों में हैं। राज्य सरकार के सूत्रों के अनुसार, इन खदानों में शुरू होने वाली खुदाई से स्थानीय रोजगार, बुनियादी ढांचे और आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा।

पांच बच्चों की दर्दनाक मौत पर सीएम साय ने जताया दुःख

रायपुर,04 अगस्त 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी क्षेत्र एवं जगदलपुर के हजारीगुड़ा गांव में हुई दर्दनाक घटना ने पूरे प्रदेश को शोक संतप्त कर दिया है। बारिश के मौसम में नहाते समय गहरे पानी में डूबने से पांच मासूम बच्चों की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गहरा दुःख प्रकट करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा, ÷यह समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। इन मासूम बच्चों की अकाल मृत्यु ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना करता हूं कि वे दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवारों को इस कठिन समय को सहन करने की शक्ति दें।

नेशनल हाईवे की बदहाली पर हाईकोर्ट सख्त

खराब सड़कों को लेकर चीफ जस्टिस हुए नाराज,प्रोजेक्ट मैनेजर को उसी रास्ते से होकर कोर्ट में पेश होने के दिए निर्देश

बिलासपुर,04 अगस्त 2025(ए)। सड़कों की बदहाल स्थिति को लेकर दायर जनहित याचिका पर सोमवार को सुनवाई के दौरान छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। खराब सड़कों को ना बनाए जाने से नाराज चीफ जस्टिस ने नेशनल हाईवे के प्रोजेक्ट मैनेजर को नोटिस जारी कर उसी खराब सड़क मार्ग से होते हुए कोर्ट बुलाया है। मामले की अगली सुनवाई मंगलवार को होगी। बिलासपुर-रायपुर नेशनल हाईवे प्रदेश का महत्वपूर्ण हाईवे है। सरगुजा संभाग और बिलासपुर संभाग के लोग इसी एनएच से ही राजधानी पहुंचते हैं। लेकिन इसके रखरखाव में नेशनल हाईवे अथॉरिटी द्वारा लगातार लापरवाही बरती जा रही है।

श्रमिक बच्चों को मिलेगा फ्री हॉस्टल और पढ़ाई का मौका

छत्तीसगढ़ में शुरू हुई अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना

रायपुर,04 अगस्त 2025(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार ने श्रमिक वर्ग के बच्चों के लिए एक बड़ी सौगात दी है। 'अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना' के तहत अब श्रमिकों के पहले 2 बच्चों को छठवीं से बारहवीं तक मुफ्त आवासीय शिक्षा दी जाएगी। यह योजना खास तौर पर उन श्रमिक परिवारों के लिए शुरू की गई है, जो छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत हैं।

योजना के तहत क्या-क्या मिलेगा?

निःशुल्क प्रवेश और ट्यूशन फीस
मुफ्त हॉस्टल और भोजन व्यवस्था
यूनिफॉर्म, किताबें और स्टेशनरी भी मुफ्त

कौन से बच्चे होंगे पात्र?

जिनके माता-पिता कम से कम 1 साल से श्रमिक बोर्ड में पंजीकृत हैं।
सिर्फ पहले 2 बच्चों को मिलेगा योजना का लाभ।
बच्चा कक्षा 5वीं में टॉप-10 मेरिट में आया हो।

जरूरी दस्तावेज़ ?

श्रमिक पंजीयन कार्ड
मूल निवास प्रमाण-पत्र
आधार कार्ड
कक्षा 5वीं की अंकसूची
पढ़ाई का प्रमाण-पत्र
स्वघोषणा-पत्र
आयु प्रमाण-पत्र
स्थानांतरण प्रमाण-पत्र (प्रवेश के बाद)

खनिज विभाग में शराब की बोतल मिलने का वीडियो वायरल

प्रशासन में मचा हड़कंप

रायपुर,04 अगस्त 2025(ए)। राजधानी रायपुर स्थित कलेक्टोरेट भवन के खनिज विभाग से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो ने प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मचा दिया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि सरकारी कार्यालय की एक अलमारी के नीचे शराब की बोतल रखी हुई है,जिसे कैमरे में स्पष्ट रूप से रिकॉर्ड किया गया है। यह वीडियो अब सोशल मीडिया में तेजी से फैल रहा है और लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। वीडियो सामने आने के बाद जहां एक ओर शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर लोगों में यह नाराजगी भी देखने को मिल रही है कि आखिर एक जिम्मेदार सरकारी विभाग में इस तरह की लापरवाही और अनुशासनहीनता कैसे हो सकती है?

ट्रक ड्राइवर के अपहरण और टॉर्चर का सनसनीखेज मामला,दो गिरफ्तार,आरोपी फरार

जगदलपुर ,04 अगस्त 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के जगदलपुर में एक ट्रक ड्राइवर के अपहरण और क्रूरतापूर्वक की गई मारपीट के मामले ने सनसनी फैला दी है। उत्तर प्रदेश के कौशांबी निवासी पीड़ित ड्राइवर खुर्शीद अहमद के साथ न सिर्फ बेरहमी से मारपीट की गई, बल्कि उसे निर्वस्त्र कर अपमानित किया गया, वीडियो कॉल पर टॉर्चर दिखाया गया, और एक लाख रुपये की फिरौती भी मांगी गई। इस घटना ने पूरे इलाके में कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला बोधघाट थाना क्षेत्र का है। घटना के खुलासे के बाद बस्तर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी अब भी फरार हैं। पुलिस ने फार्म हाउस को सील कर साक्ष्य जुटा लिए हैं और फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)